गुरुवार
28 मई -2026
वर्ष 10, अंक 263
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

पेज-8

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पंचायती राज विभाग एवं ग्रामीण कार्य विभाग की समीक्षा की

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवार को ग्रामीण कार्य और पंचायती राज विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों के निर्माण और पंचायतों में चल रही विकास योजनाओं की प्रगति की बारीकी से समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को फील्ड में आ रही सभी तकनीकी और प्रशासनिक बाधाओं को तुरंत दूर कर कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया ख।

मुख्यमंत्री ने पंचायत स्तर पर पारदर्शिता लाने और बाल विवाह रोकथाम, महिला हिंसा रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने पंचायत भवनों में सॉलिड बेस्ड मैनेजमेंट के लिए कार्य योजना तैयार करने और सूखा एवं गीला कचरा को अलग-अलग रखने के लिए लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया। ग्रामीण कार्य विभाग की समीक्षा में मुख्यमंत्री ने ग्रामीण सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर भी विशेष बल दिया

संक्षिप्त समाचार

ईरान -अमेरिका में समझौता ड्राफ्ट तैयार!

अमेरिका पर भरोसा नहीं, होर्मुज स्ट्रेट को सबसे बड़ा हथियार बताया

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। ईरान अमेरिका के साथ संभावित नए युद्ध के लिए तैयारी कर रहा है। मीडिया सूत्रों के अनुसार ईरान ने कहा अमेरिका से समझौता ड्राफ्ट तैयार है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक तेहरान को वॉशिंगटन पर बिल्कुल भरोसा नहीं है और वह होर्मुज स्ट्रेट को अपना सबसे बड़ा रणनीतिक हथियार मान रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक ईरानी अधिकारी तीन मोर्चों पर काम कर रहे हैं- सैन्य तैयारी, घरेलू समर्थन और कूटनीति। हालांकि बातचीत का रास्ता खुला रखा गया है, लेकिन सेना और ईरान रेवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स हाई अलर्ट पर हैं। ईरान मानता है कि होर्मुज स्ट्रेट उसकी सबसे बड़ी रणनीतिक ताकत है। दुनिया के बड़े हिस्से का तेल इसी समुद्री रास्ते से गुजरता है। इसी वजह से तेहरान इसे अमेरिका और उसके सहयोगियों पर दबाव बनाने के बड़े हथियार के तौर पर देख रहा है। ईरानी नेतृत्व ने कहा है कि नए संघर्ष की स्थिति में अमेरिका के सैन्य ठिकाने, ऊर्जा ढांचा और उससे जुड़े हित निशाने पर हो सकते हैं। कुछ दिन पहले आईआरजीसी ने भी चेतावनी दी थी कि किसी नए अमेरिकी हमले का जवाब पहले से ज्यादा हिंसक होगा और उसका असर मिडिल-ईस्ट से बाहर तक महसूस किया जाएगा।

गुजरात के कच्छ से 1180 करोड़ की कोकीन जब्त

ब्राजील से आई खेप दिल्ली भेजने की तैयारी थी, तीन विदेशी गिरफ्तार

कच्छ (गुजरात) (एजेंसी)। गुजरात में कच्छ से करीब 1180 करोड़ रुपए कीमत की 118 किलो कोकीन जब्त की गई है। इस मामले में अब तक तीन आरोपियों को अरेस्ट किया गया है। अरेस्ट किए गए तीनों ही आरोपी विदेशी हैं।

गुजरात डीजीपी डॉ. केएलएन राव ने बताया कि सूचना मिलने के बाद इंडियन कोस्ट गार्ड और गुजरात एटीएस मुंद्रा पोर्ट पर एक संयुक्त ऑपरेशन चला रही थीं। इसी के तहत मंगलवार की सुबह भारतीय समुद्री सीमा से एक कंटेनर जहाज पकड़ा गया।

ममता बनर्जी के खिलाफ सिलीगुड़ी में एफआईआर दर्ज

2025 में कोलकाता के ईद कार्यक्रम में सनातन को गंदा धर्म कहने का आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ सिलीगुड़ी साइबर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। ममता पर आरोप है कि उन्होंने 2025 में कोलकाता में आयोजित ईद कार्यक्रम के दौरान सनातन और हिंदू धर्म को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। विवाद उस बयान को लेकर है, जिसमें 'गंदा धर्म' जैसे शब्द इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया है।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

वैध एवं संवैधानिक है

● चुनाव आयोग शर्तों के साथ नागरिकता जांच सकता है, 13 राज्यों में 7.41 करोड़ नाम कटे

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) को वैध और संवैधानिक करार दिया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने बुधवार को कहा कि एसआईआर मनमाना नहीं है और चुनाव आयोग को यह प्रक्रिया चलाने का अधिकार है। कोर्ट ने कहा, चुनाव आयोग वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने या हटाने के लिए नागरिकता की जांच कर सकता है, लेकिन यह फैसला सिर्फ चुनावी उद्देश्यों तक सीमित रहेगा। किसी व्यक्ति को अंतिम रूप से गैर-नागरिक घोषित करने का अधिकार आयोग के पास नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि संदिग्ध नागरिकता के आधार पर जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं, उनके नाम 4 हफ्ते में केंद्र सरकार को भेजा जाए।

जून 2025 में बिहार से शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया अब तक 10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में पूरी हो चुकी है। इस दौरान 7.41 करोड़ वोटर्स के नाम हटाए गए, जिनमें सबसे ज्यादा 2.89 करोड़ नाम उत्तर प्रदेश से कटे।

अब तक 10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर

देश के 10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर हो चुका है। इनमें अब तक कुल 7.41 वोटर्स के नाम कट चुके हैं। दिल्ली में 30 जून से एसआईआर प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। एसआईआर के पहले फेज में बिहार शामिल था। दूसरे फेज में 9 राज्य और 3 केंद्रशासित प्रदेश शामिल था। इसमें मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात, यूपी, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, गोवा, पुडुचेरी, लक्षद्वीप और अंडमान-निकोबार थे। एसआईआर के तीसरे फेज 16 राज्य और 3 केंद्रशासित प्रदेश कवर होंगे।

विपक्ष का आरोप- लोगों से वोटिंग का अधिकार छीना जा रहा

विपक्षी का आरोप है कि इस प्रक्रिया से लोगों को वोटिंग के अधिकार से वंचित करने की साजिश हो रही है। विपक्ष का कहना है कि 2003 से आज तक करीब 22 साल में बिहार में कम से कम 5 चुनाव हो चुके हैं, तो क्या वे सारे चुनाव गलत थे। अगर चुनाव आयोग को एसआईआर करना था तो इसकी घोषणा जून के अंत में क्यों की गई। इसका निर्णय कैसे और क्यों लिया गया। अगर मान भी लिया जाए कि एसआईआर की जरूरत है तो इसे बिहार चुनाव के बाद आराम से किया जा सकता था। इतनी हड़बड़ी में इसे करने का फैसला क्यों लिया गया।

अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के लिए गृह मंत्री शाह का फरमान

● 15 किलोमीटर के दायरे में सारे अवैध ढांचे गिरा दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के अंदर 15 किलोमीटर के दायरे में जीरो टॉलरेंस की नीति पर सख्ती से अमल शुरू करना शुरू कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इस नीति का कड़ाई से पालन करें और देश भर में जितनी भी अंतरराष्ट्रीय सीमाएं हैं, वहां से 15 किलोमीटर भीतर जितने भी अवैध निर्माण हुए हैं, उन्हें गिरा दिया जाए। केंद्र सरकार का फोकस अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के आसपास पिछले कुछ वर्षों में बने अवैध निर्माण पर है। भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाएं 9 देशों से जुड़ती हैं, जिसमें करीब 15,107 किलोमीटर का जमीनी बॉर्डर है और लगभग 7,517 में फैली विशाल तटरेखा है।

● **अमित शाह ने बीकानेर में की सुरक्षा बैठक**- गृह मंत्री अमित शाह ने राजस्थान के बीकानेर में भारत-पाकिस्तान के बॉर्डर इलाके में स्थित सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को लेकर एक रिव्यू मीटिंग की अध्यक्षता की थी।

सीमावर्ती जिलों के डीएम को मिली खास जिम्मेदारी

मीडिया के अनुसार अधिकारियों ने बताया है कि गृह मंत्रालय ने जिलाधिकारियों (डीएम) को सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए कई अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी हैं। जिलाधिकारियों से कहा गया है कि सीमा क्षेत्र के बैंकों से होने वाले सभी तरह के लेन-देन की कानूनी और वित्तीय नियमों की तामील सुनिश्चित करवाएं। बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों और उनकी फंडिंग के स्रोतों की छानबीन करें। अवैध लेन-देन के लिए इस्तेमाल होने वाले खातो और फर्जी कंपनियों की जांच करें।

रांची | झारखंड मंत्रालय परिसर में स्वर्गीय आत्माराम टेकरीवाल की पुण्य स्मृति में महनंद राम आत्माराम टेकरीवाल फाउंडेशन द्वारा प्रदत्त एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन।

समर्थ को सीबीआई ने लिया रिमांड पर

एक्ट्रेस ट्विशा केस

विरोधाभासी बयानों पर कराएगी आमना-सामना, रिटायर्ड जज की अग्रिम जमानत पर हाईकोर्ट में सुनवाई, जांच में सहयोग नहीं करने का आरोप

जबलपुर/भोपाल (एजेंसी)। एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में एसआईटी ने आरोपी पति समर्थ सिंह को बुधवार को भोपाल कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उसे 29 मई तक सीबीआई रिमांड पर भेज दिया। सीबीआई की टीम समर्थ को लेकर उसके घर पहुंची है। घटनास्थल का निरीक्षण किया जा रहा है।

वहीं, रिटायर्ड जज और सास गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत रद्द करने की मांग वाली याचिका पर एमपी हाईकोर्ट के जस्टिस देवनारायण मिश्र की अदालत में सुनवाई हो रही है। एमपी सरकार और ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा ने अग्रिम जमानत पर आपत्ति दर्ज कराई थी। ट्विशा के पिता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने पैरवी की।

एजी बोले- जमानत की शर्तों का बर्बरता से उल्लंघन किया

सरकार की ओर से महाधिवक्ता (एजी) प्रशांत सिंह ने कोर्ट से कहा- अदालत देख सकती है कि जमानत की शर्तों का कितनी बर्बरता से उल्लंघन किया गया। नोटिस जारी होने की तारीखें रिकॉर्ड में हैं। अदालत स्वयं उन्हें देख सकती है। तारीखों की सूची का हवाला दे रहा हूं। हम आरोपियों की तरह ट्रायल कोर्ट में अजीब सामग्री पेश नहीं कर रहे हैं। एजी ने यह भी कहा कि मैं केवल केस डायरी में मौजूद दस्तावेज को ही पढ़ रहा हूं, ताकि अदालत को सुविधा हो। इस पर आरोपी पक्ष के वकील ने आपत्ति जताते हुए कहा- हमने यह सामग्री नहीं देखी है। आपको हमें यह दिखाना होगा। जवाब में एजी ने कहा, आप जांच में सहयोग करेंगे, तब हर सामग्री मिल जाएगी।

सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस:

एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत, पिता गंभीर

दैनिक अलग पहचान, वरिष्ठ संवाददाता, रांची /

हजारीबाग के कटकमदाग थाना क्षेत्र के ग्राम कूद में एक सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस के कारण एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पिता गंभीर रूप से घायल हैं। मृतकों में चमेली देवी (50), रवि साव (25) और मदन साव (40) शामिल हैं। आनंद साव, जो पिता हैं, गंभीर रूप से घायल हैं और अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। पुलिस के अनुसार, सुबह चमेली देवी सेप्टिक टैंक में उतरीं, लेकिन जहरीली गैस के कारण बेहोश हो गईं। बेटा रवि साव मां को बचाने के लिए टैंक में उतरा, लेकिन वह भी मौत के आगोश में समा गया। चाचा मदन साव ने भी उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन उनकी भी जिंदगी छीन ली गई। ग्रामीणों ने बताया कि आनंद साव ने अपनों को बचाने की कोशिश में खुद को गंभीर रूप से घायल कर लिया। गांव में मातम और सन्नाटा पसरा है।

शिक्षक के लिए प्रश्न:

1. सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस के कारण क्या हुआ?
2. कितने लोगों की मौत हुई है?
3. आनंद साव की स्थिति क्या है?

नीट मामले में सीबीआई ने दो और अरेस्ट किए

● इनमें एक डॉक्टर, बेटे समेत 3 छात्रों को पेपर दिलवाया, अब तक 13 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने बुधवार को दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया। पहले आरोपी की पहचान डॉ. मनोज शिरूरे के रूप में हुई है। वह लातूर के रहने वाले हैं। डॉ. मनोज ने एक कोचिंग सेंटर के मालिक (जो खुद भी आरोपी है) के बेटे समेत तीन छात्रों को आरोपी पीवी कुलकर्णी से केमिस्ट्री के क्वेश्चन पेपर दिलाए थे। वहीं पकड़ा गया दूसरा आरोपी तेजस हर्षदकुमार शाह है। वह पुणे स्थित एक कोचिंग सेंटर डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल एकेडमी (एपीएमए) में फिजिक्स पढ़ाता है। अब तक 13 लोग गिरफ्तार हो गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोल्हान विश्वविद्यालय में क्लस्टर सिस्टम पर कुलपति की अध्यक्षता में हुई आपात बैठक

जमशेदपुर, एजेंसी । कोल्हान विश्वविद्यालय में मंगलवार को कुलपति प्रो. (डॉ.) अंजिला गुप्ता की अध्यक्षता में आपात बैठक आयोजित की गई। इसमें झारखंड सरकार की प्रस्तावित क्लस्टर प्रणाली और अंगीभूत कॉलेजों में शिक्षण कार्यक्रमों के पुनर्गठन पर विस्तृत चर्चा हुई। इसमें शैक्षणिक परिषद के सदस्य, विभिन्न कॉलेजों के प्राचार्य, विभागाध्यक्ष और विश्वविद्यालय के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक की शुरुआत प्रभारी कुलसचिव डॉ। रंजीत कुमार कर्ण के प्रेजेंटेशन से हुई, जिसमें क्लस्टर प्रणाली, विषय संयोजन, संकाय संरचना और सीट निर्धारण से जुड़े पहलुओं की जानकारी दी गई। इसके बाद डीन एकेडमिक डॉ। संजय यादव ने विषयवार प्रस्तुति देते हुए विभिन्न बिंदुओं को स्पष्ट किया बैठक में कई कॉलेजों के विषय संयोजन में बदलाव के प्रस्ताव रखे गए। वहीं, जीसी जैन कॉमर्स कॉलेज, जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज, जीएससीडब्ल्यू जमशेदपुर, एलबीएसएम कॉलेज, महिला महाविद्यालय सरायकेला, डिग्री कॉलेज खरसावां सहित जगन्नाथपुर, जुगसलाई, मझगांव, मनोहरपुर, बंदगांव, चाकुलिया, पोटका, गम्हरिया, राजनगर, मॉडल कॉलेज सरायकेला-खरसावां और को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज जमशेदपुर में वर्तमान विषय संयोजन को यथावत रखने का प्रस्ताव भी रखा गया।

चिकित्सा कर्मियों के लिए इग्नू-एम्स देवघर के विशेष कोर्स में नामांकन शुरू

देवघर, एजेंसीदेवघर। इग्नू और एम्स देवघर क्षेत्रीय केंद्र द्वारा जुलाई 2026 सत्र के लिए चिकित्सा और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े कर्मियों के लिए अलग-अलग व्यावसायिक एवं कौशल आधारित पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एम्स देवघर के फैकल्टी सदस्य और पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ। अरशद अयूब ने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को मजबूत करने और चिकित्सा कर्मियों के कौशल विकास के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।जुलाई 2026 सत्र के लिए जिन प्रमुख पाठ्यक्रमों में नामांकन शुरू किया गया है, उनमें पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैटरनल एंड चाइल्ड हेल्थ, सर्टिफिकेट इन फर्स्ट एड तथा सर्टिफिकेट इन हेल्थकेयर वेस्ट मैनेजमेंट शामिल हैं।डॉ। अरशद अयूब ने बताया कि ये पाठ्यक्रम चिकित्सकों, नर्सिंग कर्मियों, पैरामेडिकल स्टाफ और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े अन्य पेशेवरों के लिए काफी उपयोगी हैं। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से प्रतिभागियों को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, प्राथमिक उपचार और स्वास्थ्य अपशिष्ट प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यावहारिक और अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

उत्पाद विभाग की ताबातोड़ छापेमारी, देशी-विदेशी शराब के साथ तीन गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम, एजेंसी । उपायुक्त पश्चिमी सिंहभूम और अधीक्षक उत्पाद, पश्चिमी सिंहभूम के निर्देश पर उत्पाद विभाग की टीम ने सदर थाना क्षेत्र और चक्रधरपुर थाना क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ छापामारी अभियान चलाया इस दौरान भारी मात्रा में शराब की बरामदगी करते हुए संचालक को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए उत्पाद निरीक्षक निर्भय कुमार सिन्हा ने बताया की अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के लिए दो दिनों तक लगातार विभाग द्वारा ताबातोड़ छापामारी किया गया इस दौरान चक्रधरपुर और सदर थानाक्षेत्र में कुल 03 (तीन) गिरफ्तारियां की गई।चाईबासा सदर थाना के ग्राम पामपाड़ा में अवैध रूप से शराब बिक्री की शिकायत की सूचना पर छापेमारी करते हुए एक अभियुक्त को 5।625 लीटर विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के बालजोरी और टुनिया मुण्डा साई ग्राम से एक-एक अभियुक्त को अवैध चुलाई शराब की बिक्री के आरोप में गिरफ्तार किया गया। दोनों छापेमारियों में कुल 15 लीटर अवैध चुलाई महुआ शराब की बरामदगी की गई। निरीक्षक सिन्हा ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ लगातार छापामारी अभियान चलाया जा रहा है जहां भी सूचना मिलेगी कार्रवाई किया जाएगा।

बिष्टुपुर में तेज रफ्तार दो कार में जोरदार टक्कर, सवारी जख्मी

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड के जमशेदपुर के बिष्टुपुर थाना अंतर्गत सेंटर फॉर एक्सीलेंस गोलचक्कर के पास दो कार की आपस में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार हुई की दोनों कार का एयर बैग खुल गया घटना बुधवार सुबह करीब आठ बजे की है। मिली जानकारी के अनुसार सेंटर फॉर एक्सीलेंस गोलचक्कर के पास सोनारी की ओर से एक कार आ रही थी। वहीं एक कार जुबली पार्क की ओर से बिष्टुपुर की ओर जा रही थी। सोनारी की ओर से आने वाली कार ने गोलचक्कर पर अचानक से गाड़ी को मोड़ दिया। जहां दूसरी कार से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतना जोरदार हुआ कि एक कार डिवाइडर पर चढ़ गया। टक्कर में दोनों कार में सवार लोगों को हल्की चोट लगी है।

स्वास्थ्य विभाग में हुआ घोटाला : बाबूलाल मरांडी

दवा बर्बादी और एंबुलेंस खरीद घोटाले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की

रांची, एजेंसी। बाबूलाल मरांडी ने स्वास्थ्य विभाग में अनियमितता को लेकर बयान दिया है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में व्याप्त घोटाला, दवा बर्बादी और एंबुलेंस खरीद घोटाले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की। बीजेपी प्रदेश कार्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग में, जो कॉर्पोरेशन बनाया गया है, वह केवल लूट को अंजाम देने और टेंडर एवं ठेका मैनेज करने के लिए बनाया गया है।

उनका आरोप है कि हेमंत सरकार ने 6 सालों में झारखंड की स्थिति पूरी तरह बिगाड़कर रख दी है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है, विकास कार्य ठप है और सबकी जद में केवल राज्य में व्याप्त करप्शन है। ताजा मामला स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार एवं लूट से जुड़ा है। बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाते हुए कहा कि झारखंड मेडिकल एंड हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एंड प्रोक्योरमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड में जिस शैलेंद्र श्रीवास्तव को कंसलटेंट बनाया गया है, उसमें नियम कायदों की पूरी धज्जियां उड़ाई गई है। झारखंड सरकार ने 2016 में नियम बनाया था कि किसी सेवानिवृत्त अधिकारी को 3 सालों तक का ही सेवा विस्तार दिया जा सकता है।

अपने आरोपों को जारी रखते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बाद में 2022 में नियम बनाया गया कि तीन साल के बाद उस व्यक्ति की सेवा विस्तार होती है तो मुख्यमंत्री की सहमति जरूरी है। दिलचस्प बात यह है कि इन नियमों के बावजूद बिना मुख्यमंत्री की स्वीकृति के ही 12 दिसंबर 2025 को शैलेंद्र श्रीवास्तव नाम के शख्स को चौथे साल के लिए कंसलटेंट के रूप में नियुक्त कर दिया गया है। आज 5वें साल में भी वे उसी पद पर कार्यरत हैं। अधिकारियों की मिलीभगत से लूट, कमीशनखोरी और टेंडर डकैती का अड्डा बना दिया गया है।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के ऑडिट में जो अनियमितता पकड़ में आई है, वह काफी सनसनीखेज है। जून 2022 में 55।58 करोड़ की लागत से खरीदी गई 206 एंबुलेंसों का कोई उपयोगिता मूल्यांकन नहीं

किया गया। सभी 206 एंबुलेंस एक वर्ष से अधिक समय तक नामकुम में निष्क्रिय अवस्था में पड़े रहे। इसका कोई लाभ जनता को नहीं मिला, उक्त एम्बुलेंस रखे-रखे सड़ गए।

मरीजों तक नहीं पहुंची खरीदी गई दवाइयां: नेता प्रतिपक्ष : अब फिर से 2026 में 237 नई कस्टमाइज्ड एंबुलेंसों की खरीद के लिए लगभग 80 करोड़ की नई निविदा जारी की गई है। कैग रिपोर्ट में राज्य की एंबुलेंस व्यवस्था से संबंधित खरीद, उपयोग, तकनीकी मूल्यांकन एवं संपत्ति प्रबंधन में गंभीर अनियमितताएं उजागर हुई हैं। वहीं कॉर्पोरेशन के गोदामों में करोड़ों रुपये की जीवनरक्षक दवाइयां एक्सपायर पाई गईं। दवाइयां तो खरीदी गई परंतु वह मरीजों तक नहीं पहुंची।

अयोग्य कंपनी को करोड़ों का ठेका दिया' : कोविड काल में ऑक्सीजन टैंक परियोजना में लगभग 24 करोड़ रूपये का खेल सामने आया है। अयोग्य कंपनी को करोड़ों का ठेका दिया गया। चयनित कंपनी आवश्यक 10 वर्षों के अनुभव की शर्त पूरी नहीं करती थी।

कंपनी के पास मात्र 3 वर्षों का अनुभव था और उसने जरूरी सुरक्षा प्रमाणपत्र एवं नेटवर्क दस्तावेज भी जमा नहीं किए थे बावजूद उसे तकनीकी रूप से योग्य घोषित कर करोड़ों का ठेका दे दिया गया। वहीं बोलीदाता अनिवार्य 20 करोड़ वार्षिक टर्नओवर की शर्त पूरी नहीं करता था। उसका औसत वार्षिक टर्नओवर मात्र 8।38 करोड़ पाया गया।

नियम कायदों को ताक पर रखकर हुई नियुक्ति! : झारखंड में सरकारी पैसे की किस प्रकार डकैती की जा रही है, यह मामला इसका बड़ा उदाहरण है। यही वजह है कि नियम कायदों को ताक पर रखकर ऐसे ही व्यक्ति की नियुक्ति की जाती है, या सेवा विस्तार किया जाता है जो गड़बड़ी करे और लूट का हिस्सा ऊपर तक पहुंचाये।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य सरकार सब कुछ जानकर भी अंजान है, जांच के नाम पर केवल आईवाश किया जा रहा है। नामकुम में ऑडिट स्थल के पूरे परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया गया ताकि कोई भी जानकारी बाहर न जा सके। सवाल है कि सरकार को किस चीज से डर है, आखिर सरकार ऐसा क्या छिपा रही है? उन्होंने JMHIDPCL का दोबारा ऑडिट कराने की मांग की है। बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार ने मांग की है कि कल हुए ऑडिट की पूरी रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए तथा कैग रिपोर्ट में उजागर अनियमितताओं के आधार पर तत्काल मुकदमा दर्ज किया जाए।

उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी वित्तीय एवं प्रशासनिक गड़बड़ी सामने आने के बाद इसकी निष्पक्ष, पारदर्शी एवं उच्च स्तरीय जांच सीबीआई से कराई जाए।

भाजपा प्रदेश कार्यालय के समक्ष भिड़े एनएसयूआई और भाजपा कार्यकर्ता

रांची, एजेंसी। नीट परीक्षा पेपर लीक मामले में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करने की मांग को लेकर देशभर में आंदोलनरत कांग्रेस की स्टूडेंट विंग नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया यानी एनएसयूआई की ओर से मंगलवार शाम प्रदेश भाजपा कार्यालय का घेराव किया गया। हरमू मैदान से भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं और भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के बीच इस दौरान तीखी नोंकझोंक भी हुई।

एनएसयूआई के कार्यकर्ता भाजपा प्रदेश कार्यालय के गेट पर जैसे ही पहुंचे भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने प्रवेश करने से उन्हें रोक दिया। इस दौरान दोनों संगठन के कार्यकर्ताओं के बीच हल्की-झड़प भी हुई। हालांकि कुछ देर के बाद सड़क किनारे एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने बैठकर केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

इस मौके पर एनएसयूआई के प्रवक्ता संजीत शाह ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जिस तरह से लगातार नीट परीक्षा का पेपर लीक हो रहा है उससे लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर लगा हुआ है। मेधावी छात्र सड़क पर घूम रहे हैं और भाजपा के इशारे पर पेपर लीक करने वाले मस्त हैं। ऐसे में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को या तो खुद इस्तीफा देना चाहिए या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें बर्खास्त करें। वहीं इस मौके पर भाजपा नेता अशोक बड़ाईक ने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि हेमंत सरकार में कांग्रेस पिट्ठू बनकर शामिल है, जो नौकरी बेचने का काम करते रहे हैं। युवाओं के भविष्य के साथ हेमंत सरकार में खिलवाड़ करने वाली कांग्रेस आज घड़ियाली आंसू बहा रही है। इनकी हकीकत यह है कि झारखंड के आदिवासी-मूलवासियों को नौकरी से वंचित कर युवाओं से लाखों रुपए ठगने का काम करते हैं।

कभी उग्रवाद से थी पहचान, अब आम की खुशबू से महक रहा धालभूमगढ़ की रावताड़ा पंचायत का नुआग्राम

धालभूमगढ़, एजेंसी। एक समय था जब धालभूमगढ़ प्रखंड की अंतिम सीमा पर स्थित रावताड़ा पंचायत का नुआग्राम उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र के रूप में जाना जाता था। लोग इस गांव की ओर जाने से भी डरते थे। लेकिन अब वही नुआग्राम अपनी नई पहचान गढ़ रहा है।गांव के किसान बीरा टुडू ने अपनी मेहनत और मनरेगा योजना के सहयोग से बंजर टांड़ जमीन को आम के हरे-भरे बाग में बदल दिया है। आज उनके बागान में आम की भरपूर पैदावार हो रही है और वे बाजार तलाशने में जुट गए हैं।

किसान बीरा टुडू ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2018-19 में मनरेगा योजना के तहत दो एकड़ जमीन पर आम बागवानी की शुरुआत की गई थी। उस समय लगभग 3 लाख 60 हजार रुपए की लागत से 236 आम के पौधे लगाए गए थे। बागवानी में मुख्य रूप से आम्रपाली और मल्लिका किस्म के पौधे लगाए गए, जो अब पूरी तरह फल देने लगे हैं। बीरा टुडू ने कहा कि शुरुआती वर्षों में पौधों की देखभाल करना काफी चुनौतीपूर्ण था, लेकिन लगातार मेहनत और देखरेख के कारण अब बागवानी बेहतर परिणाम दे रही है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भी पेड़ों में आम लगे थे, लेकिन इस बार उत्पादन काफी अधिक हुआ है।

हर पेड़ पर 20 से 40 किलो तक आम : इस वर्ष बागान के लगभग हर पेड़ में 20 से 40 किलो तक आम का उत्पादन हुआ है। पेड़ों पर लटकते आमों को देखकर आसपास के किसान भी काफी उत्साहित हैं। गांव के लोग अब इसे रोजगार और आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम मानने लगे हैं। बीरा टुडू का कहना है कि यदि किसानों को सही मार्गदर्शन और सरकारी सहयोग मिले तो टांड़ और अनुपजाऊ जमीन पर भी अच्छी खेती और बागवानी संभव है। उन्होंने कहा कि अब वे आम बेचने के लिए बाजार की तलाश कर रहे हैं ताकि उचित मूल्य मिल सके।

वित्तीय वर्ष 2018-19 में रावताड़ा पंचायत में दो किसानों के यहां मनरेगा के तहत आम बागवानी की शुरुआत की गई थी। अब इसका सकारात्मक परिणाम सामने आने लगा है। क्षेत्र के कई किसान इस मॉडल को देखकर प्रेरित हो रहे हैं और बागवानी की ओर रुचि दिखा रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जो इलाका कभी भय और उग्रवाद की पहचान से जाना जाता था, आज वहां खेती और बागवानी की नई उम्मीद दिखाई दे रही है। इससे गांव की आर्थिक स्थिति में भी धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है।**आम बिक्री को लेकर प्रशासन भी सक्रिय :** आम उत्पादकों को उचित बाजार और सही कीमत दिलाने को लेकर प्रशासन भी सक्रिय हुआ है। उपायुक्त कार्यालय में हाल ही में क्रेता और विक्रेताओं की एक सामान्य बैठक आयोजित की गई, जिसमें किसानों की उपज को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने पर चर्चा हुई। ग्रामीणों का मानना है कि यदि इसी तरह सरकारी योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंचता रहा, तो आने वाले समय में नुआग्राम और रावताड़ा पंचायत पूरे क्षेत्र के लिए बागवानी का मॉडल बन सकता है।

पलामू में देर रात आगजनी, कई दुकानें हुई खाक, टायर दुकान में लगी आग,

सिलेंडर विस्फोट से मची अफरा-तफरी

पलामू, एजेंसी। पलामू के हैदरनगर रेलवे गुमटी के समीप सोमवार की रात करीब तीन बजे भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। आग की शुरुआत एक टायर दुकान से हुई, जो देखते ही देखते आसपास की कई दुकानों में फैल गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि दुकान में रखे हवा भरने वाले टंकी और घरेलू गैस सिलेंडर में जोरदार विस्फोट हो गया।

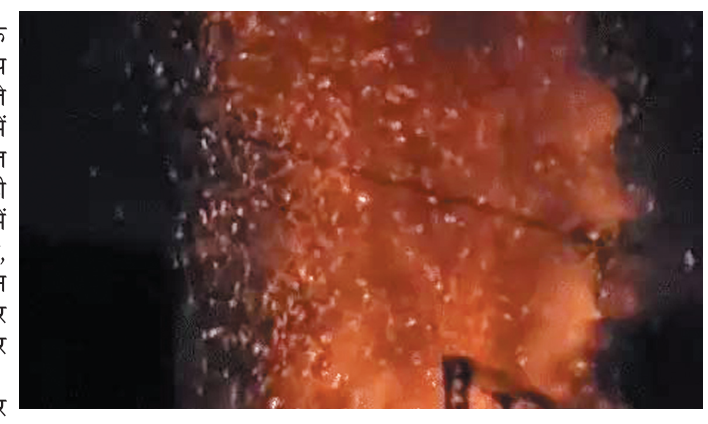

धमाके की आवाज सुनकर आसपास के घरों में सो रहे लोग घबराकर बाहर निकल आए। रेलवे लाइन के किनारे अवैध रूप से बनी कई दुकानें आग की चपेट में आ गईं। सभी पूरी तरह जलकर राख हो गईं।

घंटों की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू : घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत करते हुए कई घंटों बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक दुकानों में रखा अधिकांश सामान जल चुका था। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक इस आगजनी में पांच लाख रुपए से अधिक की संपत्ति का नुकसान हुआ है। हालांकि वास्तविक क्षति का आकलन अभी किया जा रहा है। आग की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आसपास के लोगों को अपनी जान बचाने के लिए घर छोड़कर भागना पड़ा।

बिजली तार टूटने से आपूर्ति ठप : आग के दौरान ऊपर से गुजर रहा 11 हजार वोल्ट का बिजली का तार भी इसकी चपेट में आ गया और टूटकर जमीन पर गिर गया। इससे पूरे इलाके की बिजली आपूर्ति ठप हो गई और लोगों में दहशत फैल गई। एहतियात के तौर पर प्रशासन ने लोगों को घटनास्थल से दूर रहने की अपील की। साथ ही जपला-हैदरनगर मुख्य सड़क पर दोनों ओर से बड़े वाहनों के आवागमन को रोक दिया गया, जिससे सड़क पर लंबा जाम लग गया। आग लगने का प्रारंभिक कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुट गया है।

रामगढ़ में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, राहुल दुबे गैंग के 6 अपराधी गिरफ्तार

रामगढ़ , एजेंसी। झारखंड के रामगढ़ जिले में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायत की अध्यक्षता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। जिसमें जिले में सक्रिय संगठित आपराधिक गिरोह के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 6 अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक किशोर को निरुद्ध किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पतरातु के नेतृत्व में गठित विशेष छापामारी दल द्वारा की गई।

25 मई को गुप्त सूचना मिली थी कि पतरातु थाना क्षेत्र में कुछ अपराधी किसी बड़ी घटना की योजना बना रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने छापेमारी कर सभी को पकड़ लिया।

पुलिस के अनुसार सभी गिरफ्तार अपराधी राहुल दुबे गिरोह के सक्रिय सदस्य हैं। पूछताछ में उन्होंने रेलवे फ्लाईओवर, ओसम डेयरी प्लांट और अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट पर हुई गोलीबारी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

गिरफ्तार आरोपियों में विकास साव, विशाल कुमार, बिंदु कुमार रवि, हीरालाल कुमार, दिगंबर प्रजापति उर्फ डेगन और एहतेसाम अंसारी उर्फ दुलर्भ शामिल हैं। इसके अलावा एक किशोर को भी निरुद्ध किया गया है।

गिरफ्तार आरोपियों में कुछ का आपराधिक इतिहास भी रहा है। विशेषकर विकास साव और दिगंबर प्रजापति के खिलाफ पहले से कई गंभीर मामले दर्ज हैं।

इस मामले में पतरातु थाना कांड संख्या 126/26 के तहत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर सभी आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।

इस कार्रवाई में एसडीपीओ पतरातु राघवेंद्र शर्मा के नेतृत्व में कई थाना प्रभारी, ओपी प्रभारी और तकनीकी शाखा के पुलिसकर्मी शामिल थे।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने आर्य वीरांगनाओं का किया उत्साहवर्धन

लोहरदगा, एजेंसी। गुरुकुल शांति आश्रम में आर्यवीर दल झारखंड प्रदेश के बैनर तले 21 मई से 26 मई 2026 तक आयोजित होने वाले रानी लक्ष्मीबाई आर्य वीरांगना शिविर 2026 का आयोजन रविवार को तीसरे दिन भी हुआ। इस दौरान केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री भारत सरकार संजय सेठ ने प्रशिक्षण में भाग ले रहे आर्य वीरांगनाओं को संबोधित कर उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार आने वाले समय में रक्षा के क्षेत्र में सेना अध्यक्ष जैसे श्रेष्ठतम पदों में भी महिलाओं को मौका देने जा रही है। चाहे वह शिक्षा हो या राष्ट्र के सेना सभी श्रेणियां में महिलाओं का भागीदारी बढ़ी है। भारत सरकार ने सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए स्थान बढ़ाया है ताकि भारत के सभी क्षेत्रों से महिला प्रतिभाओं को सम्मान मिले और अवसर मिल सके। उन्होंने गुरुकुल शांति आश्रम के आचार्य आचार्य शरद चंद्र आर्य की प्रशंसा करते हुए बताया कि यह बेहद नेक एवं श्रेष्ठतम कार्य में से एक है। आज जहां लोग नवरात्र में महिलाओं की पूजा करते हैं और फिर सामान्य स्थिति में आ जाते हैं। ऐसे समय में विभिन्न जिलों के आर्य वीरांगनाओं को उनके शारीरिक, स्वास्थ्य, व्यायाम, योग प्राणायाम, लाठी चलाना, भाला चलाना, आत्मरक्षक की विभिन्न जानकारी, उन्हें प्रतिभावान बनाना, चारित्रिक गुणों एवं बौद्धिक स्तर पर उन्हें श्रेष्ठतम जानकारी प्रदान करना बेहद श्रेयस्कर काम है।

चाईबासा में लेवी वसूलने पहुंचे पीएलएफआई के दो पूर्व उग्रवादी समेत तीन गिरफ्तार

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिला पुलिस ने आनंदपुर थाना क्षेत्र के गोयराबेड़ा जंगल के पास से प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई से जुड़े दो शातिर अपराधियों समेत कुल तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से एक लोडेड देसी पिस्टल, मैगजीन, 7।65द्वद्व के चार जिंदा कारतूस, एक मिसफायर कारतूस और सात मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार अपराधी बुरुईचिण्डा से गोयराबेड़ा के बीच कच्ची सड़क का निर्माण करा रहे ठेकेदार से लेवी वसूलने की फिराक में घूम रहे थे। उक्त जानकारी चाईबासा सदर एसडीपीओ बहामन टूटी ने दी।

उन्होंने बताया कि एसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर आनंदपुर थाना प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक प्रिंस के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया था। जब पुलिस टीम गोयराबेड़ा जंगल के पास पहुंची तो सामने से पुलिस की गाड़ी देखकर दो संदिग्ध युवक जंगल की तरफ भागने लगे। गश्ती दल में शामिल जवानों और अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को दबोच लिया।

पकड़े गए युवकों की पहचान संजु भोगता और कृष्णा भोगता के रूप में हुई है। पुलिस ने जब संजु भोगता की

तलाशी ली, तो उसकी कमर से मैगजीन सहित एक देसी पिस्टल बरामद हुआ, जिसमें एक जिंदा और एक मिसफायर कारतूस फंसा हुआ था। इसके अलावा उसके पास से 3 स्मार्टफोन और 2 कीपैड फोन मिले हैं।

वहीं दूसरे आरोपी कृष्णा भोगता के पास से पुलिस ने 3 जिंदा कारतूस और एक स्मार्ट फोन बरामद किया है। पूछताछ में दोनों ने कबूला है कि वे पूर्व में पीएलएफआई से जुड़े थे और वॉट्सऐप के जरिए कॉल करके ठेकेदारों को धमकाते थे।

गिरफ्तार आरोपियों के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर पुलिस ने सोमवार रात आनंदपुर के हारता ग्राम में छापेमारी करके उनके तीसरे सहयोगी संजय साय को भी गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से भी एक स्मार्टफोन जब्त किया गया है। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में आनंदपुर थाना में भारतीय न्याय संहिता -2023 और आर्म्स एक्ट की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत कांड संख्या 13/26 दर्ज किया गया है।

आनंदपुर पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार मुख्य आरोपी संजु भोगता ने स्वीकार किया है कि वह इसी साल 9 फरवरी 2026 को आनंदपुर के रोबोकेरा में सड़क निर्माण कार्य में लगी 'वैष्णवी इन्फ्रा प्रोजेक्ट कंपनी' के वाहनों को फूंकने की वारदात में भी शामिल था। इस घटना को लेकर आनंदपुर थाने में मामला (कांड संख्या 04/26) दर्ज है।

संजय साय: इसके खिलाफ 2016 में हत्या, अपहरण, आर्म्स एक्ट और सीएलए एक्ट के तहत आनंदपुर थाने में कांड संख्या 03/16 तथा 2017 में सीएलए एक्ट के तहत कांड संख्या 02/17 दर्ज है।

संजु भोगता: इसके खिलाफ आनंदपुर थाने में 2023 में आर्म्स एक्ट (कांड संख्या 11/23) और 2025 में बीएनएस के तहत मामला दर्ज है। इसके अलावा बिरसा थाने में भी 2024 में इसके खिलाफ मामला (कांड संख्या 140/24) दर्ज है।

इस छापेमारी टीम में थाना प्रभारी प्रिंस के साथ पु।अ।नि सुबोध कुमार गौतम और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

संक्षिप्त समाचार

पलामू में स्टोन माइंस से रंगदारी, मुखिया पति समेत तीन आरोपी गिरफ्तार

पलामू, एजेंसी। जिला के हुसैनाबाद में स्टोन माइंस से रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। रंगदारी मांगने के आरोप में पुलिस ने मुखिया पति समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी पर तीन लाख रुपए रंगदारी मांगने का आरोप है। पुलिस ने गिरफ्तार मुखिया पति अजय चंद्रवंशी, मनीष कुमार और दीपक कुमार सिंह को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। रंगदारी मांगने के आरोप में स्टोन माइंस के तरफ से 10 लोगों के खिलाफ प्राथमिक की दर्ज करवाई गई है। हुसैनाबाद थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि रंगदारी मांगने के आरोप में तीनों को गिरफ्तार किया गया है और न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस पूरे मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि स्टोन माइंस संचालक से रंगदारी की मांग की जा रही थी और उसके गाड़ियों को भी रोका गया था। इधर पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र से हिस्ट्री सीटर अपराधी राजा कुमार चंद्रवंशी उर्फ राजा कुमार उर्फ क्रैक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। राजा कुमार चंद्रवंशी पर एक नाबालिक लड़की के अपहरण करने का आरोप लगा था। राजा कुमार चंद्रवंशी पर पलामू के विभिन्न थाना क्षेत्र में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। चैनपुर थाना की पुलिस को सूचना मिली थी कि राजा कुमार चंद्रवंशी इलाके में आया हुआ है। इसी सूचना के आलोक में पुलिस ने छापामारी करते हुए गिरफ्तार किया है।

पेसा नियमावली लागू करने की मांग को लेकर भूमिज-मुंडा समाज ने सौंपा ज्ञापन

सरायकेला, एजेंसी। झारखंड के सरायकेला–खरसावां जिला अंतर्गत कुकड़ू अंचल कार्यालय में भूमिज–मुंडा समाज के प्रतिनिधियों ने पेसा नियमावली के तहत पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था को मजबूत करने एवं आदिवासी अधिकारों को सुनिश्चित करने की मांग को लेकर अंचल प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान समाज की ओर से पारंपरिक हातु, सरदार, मुड़ा, डाकूवा और नाया की सूची भी अंचलाधिकारी को उपलब्ध कराई गई। समाज के प्रतिनिधियों ने कुकड़ू अंचलाधिकारी अभय कुमार द्विवेदी को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि पेसा नियमावली के प्रावधानों के अनुरूप पारंपरिक व्यवस्था से जुड़े योग्य व्यक्तियों को ही ग्राम स्तर पर अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए। उन्होंने गांवों में पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए पर्याप्त मैन पावर उपलब्ध कराने तथा गैर–आदिवासी हस्तक्षेप समाप्त करने की मांग उठाई। झारखंड ट्रायबल भूमिज मुंडा यूथ ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष रविंद्र सरदार ने कहा कि आदिवासी समाज के अधिकारों और परंपराओं की लगातार अनदेखी की जा रही है, जिससे समाज में असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पेसा कानून का सही तरीके से पालन होने पर गांवों में पारंपरिक व्यवस्था और आदिवासी अधिकार दोनों मजबूत होंगे। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से पारंपरिक ग्राम प्रधानों का अद्यतन डेटा उपलब्ध कराने की भी मांग की। समाज के लोगों ने कहा कि सरकार और प्रशासन यदि पेसा नियमावली को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करे तो आदिवासी समाज को उनके पारंपरिक अधिकारों का संरक्षण मिल सकेगा।

एंबुलेंस नहीं पहुंची गांव, गर्भवती महिला को चार किलोमीटर तक खाट पर ले गए ग्रामीण

पीरटांड, एजेंसी। गिरिडीह जिले के पीरटांड के दालुवाडीह में प्रसव पीड़ा से तड़प रही गर्भवती महिला को ग्रामीणों ने खाट पर लादकर करीब चार किलोमीटर पैदल चलकर मुख्य सड़क तक पहुंचाया। आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी यहां सड़क जैसी मूलभूत सुविधा लोगों को नसीब नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार दालुवाडीह निवासी गर्भवती महिला सुनीता सोरेन को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिजनों ने तत्काल एंबुलेंस बुलाने के लिए स्वास्थ्य विभाग से संपर्क किया, लेकिन गांव तक सड़क नहीं होने का हवाला देते हुए एंबुलेंस आने से मना कर दिया गया। इसके बाद ग्रामीणों और परिजनों ने मजबूरी में महिला को खाट पर लिटाकर मुश्किल रास्तों से होते हुए पिपराडीह मुख्य सड़क तक पहुंचाया। वहां से किसी तरह वाहन की व्यवस्था कर महिला को अस्पताल भेजा गया। परिजनों ने बताया कि गांव तक सड़क नहीं रहने के कारण मरीज की हालत और गंभीर हो गई। अगर सड़क होती तो एंबुलेंस सीधे गांव तक पहुंच जाती और महिला को समय पर इलाज मिल पाता। ग्रामीणों का कहना है कि पिपराडीह तक सड़क बनी हुई है, लेकिन उसके आगे आज तक सड़क निर्माण नहीं हो पाया है, जिससे दर्जनों गांवों के लोगों को हर दिन परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क नहीं रहने से कुरुवारांड, दालुवाडीह, डाहिया, ईटाबेड़ा, गाड़ापरोम, सहेरबेड़ा, जिरबेड़ा, सतकटिया और बोरवाबेड़ा समेत कई गांव प्रभावित हैं। बारिश के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है। बीमार, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को अस्पताल पहुंचाना किसी चुनौती से कम नहीं होता।

प्रदेश में शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया होगी तेज

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में सीएम ने दिए निर्देश

रांची, एजेंसी। विभागीय समीक्षा के क्रम में मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के कामकाज को जाना। झारखंड मंत्रालय में आयोजित बैठक में राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमा शंकर सिंह, राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन, निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजेश प्रसाद, निदेशक प्राथमिक शिक्षा मनोज कुमार रंजन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा : बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, विद्यालयों में शैक्षणिक व्यवस्था, आधारभूत संरचनाओं तथा विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की। इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य सरकार द्वारा विद्यालयों से जुड़ी योजनाओं एवं कार्यक्रमों को प्रभावी तरीके से पारदर्शिता के साथ अध्ययनरत छात्र-छात्राओं तक समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि राज्य सरकार झारखंड के बच्चों को बेहतर एवं क्वालिटी एजुकेशन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी सरकारी विद्यालयों में आधारभूत संरचना और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ पठन पाठन की नवीनतम एवं आधुनिक तकनीक से संबंधित संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र छात्राओं के परीक्षा परिणाम में निरंतर सुधार हो रहा है, बच्चों का रिजल्ट और ज्यादा अच्छा हो इस निमित्त शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्य सहित सभी पहलुओं पर विशेष ध्यान केंद्रित करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया को गति दें। शिक्षकों के शत प्रतिशत पदों को भरना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में हजारों की संख्या में शिक्षकों की बहाली हुई है, नियुक्ति प्रक्रिया निरंतर जारी रखते हुए रिक्त पदों को भरा जाए। सीएम हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नव नियुक्त शिक्षकों को ससमय वेतन मिले इस निमित्त सभी वेरिफिकेशन कार्य इस माह के अंत तक पूर्ण करना सुनिश्चित की जाए।

समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि शिक्षा किसी भी राज्य की आधारशिला होती है। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित हो तथा प्रत्येक बच्चे को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जाय। बैठक में मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने बताया कि प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा में ड्रॉप आउट बच्चों की संख्या में कमी आई है।

ड्रॉप आउट के मामले में झारखंड राष्ट्रीय औसत से अच्छा है। शिक्षा विभाग द्वारा अभियान चलाकर ड्रॉप आउट बच्चों का नामांकन सुनिश्चित किया जा रहा है। श्रम विभाग से समन्वय स्थापित कर वैसे बच्चों का चिन्हित किया जा रहा है, जो बच्चे मजदूरी या कोई अन्य कार्य से जुड़े हैं और स्कूली शिक्षा से वंचित हैं। किताब, पठन-पाठन सामग्री एवं साइकिल वितरण कार्य भी समयबद्ध तरीके से किया जा रहा है। अब बच्चे मैट्रिक परीक्षा में अच्छे अंकों के साथ उतीर्ण हो रहे हैं, जिन विद्यालयों में बच्चों का रिजल्ट ठीक नहीं रहा है, वैसे विद्यालयों को चिन्हित कर सभी सुविधा, व्यवस्था एवं शिक्षकों की उपलब्धता सहित प्रत्येक बिंदुओं पर सुधार के लिए विभाग विशेष ध्यान केंद्रित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी सरकारी विद्यालयों में इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराई जाए एवं आईसीटी लैब की सुविधा दुरुस्त करें।समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि राज्य के भीतर सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की संख्या बढ़ाकर 5 हजार किए जाने की कार्य योजना पर तेजी से कार्य करें, ताकि प्रत्येक पंचायत तक स्कूलों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को क्वालिटी एजुकेशन पहुंचाई जा सके। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि अगले 6 से 8 महीने के भीतर यह सुनिश्चित करें कि कोई भी विद्यालय सिंगल टीचर के भरोसे न चले।

विद्यालय प्रबंध समितियों से समन्वय स्थापित कर स्थानीय पढ़े लिखे अहर्ता रखने वाले इच्छुक युवाओं को शिक्षक के रूप में जोड़ें। विशेष कर छात्राओं को भी मौका दें ताकि शिक्षकों की कमी से किसी भी विद्यालय में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित नहीं हो।

धनबाद एसीबी की बड़ी कार्रवाई, रिश्वत लेते एएसआई गिरफ्तार

धनबाद, एजेंसी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो यानी एसीबी की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। जिसमें बोकारो जिले के बालीडीह थाना में पदस्थापित सहायक अवर निरीक्षक यानी एएसआई मो। याकूब अंसारी को 5 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पुलिस पदाधिकारी पर जमीन से जुड़े मामले की जांच के नाम पर रिश्वत मांगने का आरोप था। एसीबी ने शिकायत के सत्यापन के बाद जाल बिछाकर आरोपी को दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

एसीबी धनबाद के अनुसार, शिकायतकर्ता ने वर्ष 2009 में बोकारो जिला के बालीडीह थाना क्षेत्र में जमीन खरीदी थी। जमीन विवाद और धमकी से जुड़े मामले में शिकायतकर्ता ने स्थानीय थाना, पुलिस अधीक्षक और उपायुक्त से कार्रवाई की मांग की थी। इस मामले की जांच बालीडीह थाना में पदस्थापित एएसआई मो। याकूब अंसारी को सौंपी गई थी।

आरोप है कि जांच के दौरान एएसआई ने जमीन पर जाने और जांच करने के नाम पर शिकायतकर्ता से 5 हजार रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था, जिसके बाद उसने धनबाद एसीबी कार्यालय में लिखित शिकायत दी। एसीबी टीम ने शिकायत का सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगने की बात सही पाई गई।

इसके बाद एसीबी धनबाद ने थाना कांड संख्या 04/2026 दर्ज कर ट्रैप टीम का गठन किया। मंगलवार को बोकारो जिले के नया मोड़ इलाके में जाल बिछाया गया। एसीबी की टीम ने दो स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में आरोपी एएसआई मो। याकूब अंसारी को शिकायतकर्ता से 5 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी मो। याकूब अंसारी की उम्र 56 वर्ष बताई जा रही है। वह बालीडीह थाना में सहायक अवर निरीक्षक के पद पर तैनात था। एसीबी की इस कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

अब धनबाद में भी ना गिर जाए पुल !

शक्ति पुल के जर्जर पिलर ने लोगों की बढ़ाई चिंता

धनबाद, एजेंसी। जिले के पुटकी अंचल स्थित मुनीडीह में दामोदर नदी पर बना कपालघाट का शक्ति पुल अब लोगों के लिए चिंता का कारण बनता जा रहा है। करोड़ों रुपये की लागत से इस पुल को बने अभी ज्यादा समय भी नहीं हुआ, लेकिन इसकी स्थिति देखकर निर्माण गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

दामोदर नदी पर बना कपालघाट का शक्तिपुल पुल इलाके के लोगों के लिए किसी बड़ी सौगात से कम नहीं था। पुल बनने से पहले लोगों को बोकारो और चंदनक्यारी जाने के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ता था। करीब 15 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती थी। पुल बनने के बाद लोगों का समय भी बचा और आने-जाने में आसानी भी हुई। व्यापार, शिक्षा और रोजमर्रा के कामकाज के लिए इस पुल का इस्तेमाल बड़ी संख्या में लोग करते हैं।

लेकिन अब यही पुल लोगों के लिए डर की वजह बनता जा रहा है। पुल के नीचे बने पिलरों में दरारें और क्षरण साफ नजर आने लगे हैं। नदी के तेज बहाव और लगातार हो रहे कटाव के कारण पिलरों का निचला हिस्सा कमजोर पड़ता दिखाई दे रहा है। कई जगहों पर कंक्रीट उखड़ चुकी है और लोहे की सरिया तक बाहर दिखाई देने लगी है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि पुल निर्माण के कुछ ही वर्षों में इस तरह की स्थिति सामने आना बेहद गंभीर मामला है। लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का सही तरीके से पालन नहीं किया गया। अगर समय रहते इसकी जांच और मरम्मत नहीं कराई गई तो आने वाले दिनों में कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से पुल की तकनीकी जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि हर दिन इस पुल से सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। स्कूली बच्चे, मजदूर, व्यापारी और आम लोग इसी रास्ते से आवागमन करते हैं। ऐसे में यदि किसी दिन पिलर और कमजोर हो गए तो बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।

वहीं कार्यपालक अभियंता बेनीलाल मरांडी का कहना है कि उन्हें पुल के जर्जन हालत में होने की जानकारी नहीं है। अभी यह मामला संज्ञान में आया है। इस मामले को देखा जाएगा। कार्यपालक अभियंता बेनीलाल मरांडी के अनुसार, वर्ष 2008 में कपालघाट में दामोदर नदी पर पुल निर्माण के लिए पहली बार 3 करोड़ 63 लाख 31 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई थी। इसके बाद वर्ष 2009 में योजना का नाम परिवर्तित कर चंदनकियारी-मुनीडीह पथ पर कपाटघाट पुल निर्माण योजना किया गया।

उन्होंने बताया कि बाद में सरकार द्वारा 4 करोड़ 45 लाख 77 हजार रुपये की अतिरिक्त प्रशासनिक स्वीकृति भी प्रदान की गई। पुल निर्माण कार्य की गुणवत्ता और तकनीकी स्थिति की जांच के लिए मेसरा की टीम ने 2015-16 में स्थल निरीक्षण किया और अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी।

ग्राम सभा को दरकिनार कर बालू टेंडर ! खूंटी में फूटा ग्रामीणों का गुस्सा,

खूंटी, एजेंसी। जिले में ग्राम सभा की अनुमति के बिना जारी किए गए बालू खनन टेंडर को लेकर ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों में भारी आक्रोश है। तोरपा प्रखंड के उप प्रमुख, ग्राम प्रधान, मुखिया समेत कई स्थानीय जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ उपायुक्त कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने बालू खनन टेंडर पर तत्काल रोक लगाने की मांग करते हुए इसे पेसा कानून और पांचवीं अनुसूची का खुला उल्लंघन बताया।

ग्रामीणों के आंदोलन में शामिल जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में किसी भी सरकारी योजना या खनन कार्य से पहले ग्राम सभा की लिखित सहमति अनिवार्य है, लेकिन प्रशासन ने ग्रामीणों की राय लिए बिना ही बालू खनन का टेंडर जारी कर दिया। ग्राम सभा अध्यक्ष वीरेंद्र धान ने साफ कहा कि ग्राम सभा की सहमति के बिना इलाके से एक गाड़ी बालू भी उठाने नहीं दिया जाएगा।

ग्राम प्रधान कलिया मुंडा ने भी बालू तस्करी और अवैध खनन पर चिंता जताते हुए कहा कि नदियों से बिना मापी और नियमों के जेसीबी और बड़ी गाड़ियों के जरिए लगातार बालू उठाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय लोगों को घर बनाने के लिए भी बालू नहीं मिल पा रहा, जबकि बाहर बड़े पैमाने पर इसकी सप्लाई की जा रही है। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने मांग की है कि ग्राम सभा की लिखित अनुमति के बिना किसी भी प्रकार के खनन और भारी परिवहन पर तत्काल रोक लगाई जाए। साथ ही पेसा कानून और पांचवीं अनुसूची के उल्लंघन के आरोप में जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ उच्चस्तरीय जांच कर कार्रवाई की जाए।

वहीं स्थानीय महिला मुखिया अगाथा भेंगरा ने कहा कि अवैध और अंधाधुंध बालू उठाव के कारण इलाके का जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है। पानी की कमी से खेती प्रभावित हो रही है और ग्रामीणों की आजीविका संकट में पड़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा की अनुमति के बिना किसी भी कीमत पर बालू खनन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

तोरपा प्रखंड के उप प्रमुख संतोष कर ने कहा कि प्रशासन ने नियमों को ताक पर रखकर पहले टेंडर जारी कर दिया और अब ग्राम सभा से सहमति लेने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। उन्होंने इसे ग्रामीणों को गुमराह करने की कोशिश बताया। उन्होंने कहा कि अनियंत्रित बालू उठाव से नदियों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है और नदी किनारे बसे किसानों की जमीन कटाव के कारण बंजर होती जा रही है।

धनबाद जेल में बंद आजसू नेता से सांसद ने की मुलाकात,

फायरिंग घटना की निष्पक्ष जांच की मांग

धनबाद, एजेंसी। सांसद ढुल्लू महतो मंगलवार को धनबाद मंडल कारा पहुंचे, जहां उन्होंने जेल में बंद आजसू नेता रजनी रवानी से मुलाकात की। जेल से बाहर निकलने के बाद सांसद ढुल्लू महतो ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि रजनी रवानी को हत्या के एक मामले में गलत तरीके से आरोपी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई उन लोगों को दबाने की कोशिश है, जो इलाके में अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ लगातार आवाज उठा रहे हैं।

सांसद ने कहा कि लोयाबाद थाना क्षेत्र के बांसजोड़ा में हुई घटना के बाद पुलिस ने असली दोषियों पर कार्रवाई करने के बजाय विरोध करने वालों को निशाना बनाया। उनका आरोप है कि इलाके में लंबे समय से सक्रिय कोयला तस्कर और माफिया स्थानीय लोगों पर दबाव बनाते रहे हैं। साथ ही इसको लेकर जो भी उनके खिलाफ खड़ा होता है, उसे झूठे मुकदमों में उलझा दिया जाता है।

सांसद ढुल्लू महतो ने बताया कि जेल में मुलाकात के दौरान रजनी रवानी ने उनके साथ मारपीट किए जाने और साजिश के तहत हत्या के मामले में फंसाने की बात कही। सांसद के मुताबिक रजनी रवानी अवैध खनन और कोयला चोरी के खिलाफ आंदोलन चला रही थी। जिसकी वजह से उन्हें टारगेट किया गया।

ढुल्लू महतो ने कहा कि बांसजोड़ा क्षेत्र में इससे पहले भी कई विवादित घटनाएं सामने आ चुकी हैं और हर बार विरोध करने वालों को दबाने की कोशिश की गई है। सांसद ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि यदि प्रशासन ने उचित कार्रवाई नहीं की तो भाजपा आंदोलन करेगी। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ने पर केंद्र सरकार से सीबीआई जांच की मांग भी की जाएगी।

जमशेदपुर में अपराधी ने फोन पर मांगी 20 लाख की रंगदारी, मना करने पर तड़ातड़ फायरिंग

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड के जमशेदपुर के गोलमुरी थाना क्षेत्र में मंगलवार की देर रात अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर इलाके में सनसनी फैला दी। पांच घंटे के अंतराल में हुई दो फायरिंग की घटनाओं ने स्थानीय लोगों के बीच दहशत का माहौल पैदा कर दिया। अपराधियों ने नामदा बस्ती निवासी कारोबारी राज कुमार साह के घर को निशाना बनाया और उनके घर के बाहर खड़ी थार गाड़ी पर गोली चला दी। घटना के बाद पूरे इलाके में भय का माहौल है और लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

पीड़ित कारोबारी राज कुमार साह ने बताया कि मंगलवार की रात करीब 12 बजकर 56 मिनट पर उनके मोबाइल फोन पर एक कॉल आया। फोन करने वाले युवक ने अपना नाम 'कुंडी' बताया और सीधे तौर पर 20 लाख रुपये की रंगदारी की मांग की। आरोपी ने धमकी देते हुए कहा कि अगर रंगदारी की रकम नहीं दी गई तो उसे भी 'कन्हैया यादव' के पास पहुंचा दिया जायेगा। इस धमकी से कारोबारी और उनका परिवार सहम गया। राज कुमार साह ने बताया कि उन्होंने फोन करने वाले युवक से कहा कि उन्होंने जिंदगी में कभी 20 लाख रुपये एक साथ नहीं देखा है, ऐसे में वह इतनी बड़ी रकम कहां से देगा। इसके बाद उन्होंने फोन काट दिया। हालांकि, उन्हें इस बात का अंदेशा नहीं था कि कुछ ही घंटों बाद अपराधी उनके घर पर हमला कर देंगे।फोन कॉल के कुछ घंटे बाद अपराधियों ने कारोबारी के घर के बाहर पहुंचकर फायरिंग कर दी।

खूंटी की महिला किसान ने किया कमाल, उगाया लाखों में बिकने वाला मियाजाकी आम

खूंटी, एजेंसी। झारखंड के खूंटी जिले के तोरपा प्रखंड के मरचा मिशन गांव की प्रगतिशील महिला किसान सिलप्रिया टोपनो इन दिनों पूरे जिले में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। आदिवासी महिला किसान ने अपनी मेहनत और लगन से जापान के प्रसिद्ध और दुनिया के सबसे महंगे आमों में शामिल मियाजाकी आम की सफल खेती कर नई मिसाल पेश की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस आम की कीमत 1।5 लाख से 2 लाख रुपये प्रति किलो तक बताई जाती है।

सिलप्रिया टोपनो ने अपने बारी में मियाजाकी आम के तीन और अमेरिका रेड पाल्मर आम के सात पेड़ के साथ दर्जन अच्छे नस्ल के आम लगाए हैं। वर्ष 2022 में उन्होंने कोलकाता से ऑनलाइन इन विदेशी प्रजाति के पौधे मंगवाए थे। लगातार 4 वर्षों तक देखभाल और मेहनत के बाद अब पेड़ों में फल आने शुरू हो गए हैं। पेड़ पर लगे लाल रंग के आकर्षक और बड़े आकार के आम लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि कई फलों का वजन एक किलो से अधिक है।

विदेशी नस्ल के आमों की खेती से महिला किसान को अच्छी कमाई की उम्मीद है। हालांकि, आमों की बढ़ती चर्चा के साथ उनकी चिंता भी बढ़ गई है। लाखों रुपये कीमत वाले आम की चोरी का डर सताने लगा है। इसके कारण सिलप्रिया रातभर बगीचे की रखवाली कर रही हैं। पेड़ों के चारों ओर बांस और तार की घेराबंदी भी कर दी गई है। गांव के लोग भी इस दुर्लभ आम को देखने के लिए दूर दराज उनके बगीचे पहुंच रहे हैं।

महिला किसान सिलप्रिया टोपनो ने बताया कि पिछले वर्ष पहली बार वह मियाजाकी आम को लेकर रांची गई थीं, जहां 1 हजार रुपये प्रति किलो की दर से इसकी बिक्री हुई थी। उन्होंने कहा कि इस बार फसल अच्छी हुई है, लेकिन गांव क्षेत्र में इतने महंगे आम खरीदने वाले ग्राहक नहीं मिल पा रहे हैं। यदि सरकार और उद्यानिकी विभाग सहयोग करे तथा उचित मार्केटिंग और निर्यात की व्यवस्था बने, तो क्षेत्र के किसान भी विदेशी आम की खेती से अच्छी आमदनी कर सकते हैं।

चार साल पहले ऑनलाइन पौधा मंगाकर लगाया था। लगातार मेहनत और देखभाल के बाद अब फल मिलने लगे हैं। इस आम की मांग काफी है, लेकिन गांव में बाजार नहीं मिलने से परेशानी हो रही है। अगर सरकार मदद करे, तो यहां के किसान भी विदेशी आम की खेती कर आगे बढ़ सकते हैं।

सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ आनंद किशोर उरांव ने बताया कि जापान में उगाया जाने वाला मियाजाकी आम अपनी अनोखी गुणवत्ता और पोषक तत्वों के कारण पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। इसमें एंथोसायनिन, बीटा-कैरोटीन, विटामिन ए, विटामिन सी, फोलिक एसिड और पोटेशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, त्वचा को स्वस्थ रखने, आंखों की रोशनी बेहतर करने, दिल को स्वस्थ रखने तथा पाचन तंत्र को मजबूत करने में सहायक माना जाता है।

मरचा मिशन गांव की यह महिला किसान अब पूरे जिले में खेती-किसानी के क्षेत्र में प्रेरणा बनकर उभर रही हैं। विदेशी आम की खेती ने न केवल उन्हें नई पहचान दिलाई है, बल्कि जिले के किसानों के लिए आधुनिक और लाभकारी खेती की नई राह भी खोल दी है।

संक्षिप्त समाचार

सामूहिक दुष्कर्म, फिर वीडियो बनाकर दी धमकी, प्रेमी से मिलने गई थी किशोरी, 5 गिरफ्तार

मोतिहारी, एजेंसी। बिहार के मोतिहारी में रविवार रात सामूहिक दुष्कर्म की घटना का पुलिस ने महज आठ घंटे में खुलासा कर दिया है। इस मामले में पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस का आरोप है कि पांचों ने मिलकर लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। घटना जिले के सुगौली थाना क्षेत्र की है। लड़की अपने प्रेमी से मिलने गयी थी। इसी दौरान 5 युवकों ने मिलकर घटना को अंजाम दिया।

पूरी रात छापेमारी : एसडीपीओ दिलीप कुमार ने बताया रविवार की रात के 2 :30 बजे डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई है। इसके बाद थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर लगातार छापेमारी की गई। सुबह 4 बजे तक दो आरोपियों की गिरफ्तारी हो गई थी।

आरोपियों का जुर्म कबूलना : इसके बाद देर रात तक छापेमारी होती रही और अगले दिन सोमवार सुबह 11 बजे तक तीन और आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। पांचों से पूछताछ की गई तो उन्होंने अपना जुर्म कबूल किया। शुरुआती पूछताछ में कई अहम सुराग हाथ लगे हैं। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि वारदात में और कोई शामिल तो नहीं था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वैज्ञानिक जांच के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया।

मेडिकल जांच और चार्जशीट की तैयारी : पीड़िता को मेडिकल के लिए भेजा गया है। जो भी वैज्ञानिक साक्ष्य मिलेंगे, उस आधार पर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने इस मामले में सामूहिक दुष्कर्म समेत कई गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। एसडीपीओ ने बताया कि हमलोगों की कोशिश है कि 48 घंटे के अंदर चार्जशीट दाखिल कर दें।

एसडीपीओ दिलीप कुमार ने बताया कि 'स्पीडी ट्रायल के तहत आरोपियों को सजा दिलाई जाएगी। चूंकि लड़की के साथ यह घटना हुई है। समाज में एक मैसेज जाना चाहिए कि कोई भी लड़की के साथ गलत काम करेगा तो उसका परिणाम भी गलत होगा।' पीड़ित परिवार को न्याय की उम्मीद : इस जघन्य वारदात को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। चर्चा है कि आरोपियों के द्वारा घटना का वीडियो बनाकर हत्या की धमकी भी दी गयी है। लोगों ने आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। आठ घंटे में सभी आरोपियों की गिरफ्तारी पर लोगों ने पुलिस की तारीफ भी की है। ग्रामीणों का कहना है कि अक्सर ऐसे मामलों में देरी होती है, लेकिन सुगौली पुलिस ने तत्परता दिखाई। इससे पीड़ित परिवार को न्याय की उम्मीद जगी है।

बिहार स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में जॉब का मौका:गेस्ट फैकल्टी-कोच के लिए 16 जून तक करें आवेदन

नालंदा, एजेंसी। राजगीर स्थित बिहार स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी ने शैक्षणिक और खेल गतिविधियों को विस्तार देने के लिए गेस्ट फैकल्टी और विभिन्न खेलों के कोच की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए मंगलवार से आवेदन की प्रक्रिया आरंभ हो गई है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 16 जून तक अपना आवेदन पत्र विश्वविद्यालय को भेज सकते हैं। खेल प्रेमियों के लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। विश्वविद्यालय में थ्योरी और प्रैक्टिकल कक्षाएं सुचारू रूप से संचालित करने के लिए कुल 17 गेस्ट फैकल्टी की बहाली की जाएगी। विषयवार रिक्तियों की बात करें, तो सर्वाधिक 13 पद 'हेल्थ एंड फिजिकल एजुकेशन' विषय के लिए निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा, स्पोर्ट्स मैनेजमेंट के लिए दो और अंग्रेजी और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) के लिए एक–एक पद रिक्त है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, इन सभी पदों पर राज्य सरकार के निर्धारित नियमों के अनुरूप आरक्षण का लाभ भी लागू होगा। खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कई खेलों में गेस्ट कोच की भी सेवा ली जाएगी। बास्केटबॉल और वॉलीबॉल में तीन–तीन कोच की नियुक्ति होगी। कबड्डी के लिए दो पद निर्धारित हैं। वेटलिफ्टिंग, फुटबॉल और योग के लिए एक–एक कोच रखे जाएंगे। एथलेटिक्स और क्रिकेट में एक–एक नई रिक्ति के साथ ही पुरानी जबकि बैकलॉग वैकेंसी के तहत भी दो–दो पद भरे जाएंगे। बहाली की यह प्रक्रिया पूरी तरह से ऑफलाइन रखी गई है। आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को सबसे पहले विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन पत्र डाउनलोड करना होगा। फॉर्म को पूरी तरह भरकर और सभी आवश्यक शैक्षणिक व अनुभव प्रमाण पत्रों को संलग्न कर उसे केवल स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजना होगा।उम्मीदवारों को अपना आवेदन पत्र कुलसचिव, बिहार खेल विश्वविद्यालय, राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, राजगीर, नालंदा, बिहार–803116 के पते पर भेजना होगा। आवेदन की स्क्रूटनी के बाद शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को इंटरव्यू की तारीख और समय की जानकारी उनके ई–मेल आईडी पर दी जाएगी।

बिहार में एक और पुल में आई दरार,

बटाने नदी पर बने ब्रिज का स्लैब खिसका

औरंगाबाद, एजेंसी। बिहार के औरंगाबाद के बटाने पुल में दरार आ गई है। महज 15 वर्षों में ही पुल का स्लैब खिसक गया है और एक पिलर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है। जिसके कारण जिला प्रशासन ने पुल पर तत्काल प्रभाव से भारी वाहनों के आवागमन को रोक दिया है। वहीं अन्य मालवाहक वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से पार कराया जा रहा है।

बटाने पुल में दरार: राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 139, जो झारखंड के डाल्टनगंज हरिहरगंज होते हुए औरंगाबाद जिले की सीमा में प्रवेश करता है और औरंगाबाद होते हुए पटना को जाता है, यह राष्ट्रीय राजमार्ग अति व्यस्त राजमार्ग है। इसका फोरलेन करने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। वाहनों के दबाव के चलते बटाने नदी पर स्थित पुल का स्लैब खिसक गया है।

भारी वाहनों के परिचालन पर रोक: डीएम अभिलाषा शर्मा ने एनएच- 139 पर किलोमीटर 141 पर अवस्थित बटाने नदी पर स्थित पुल की जर्जर स्थिति को देखते हुए भारी वाहनों के आवागमन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का आदेश निर्गत किया है। उन्होंने कहा कि संभावित दुर्घटना की आशंका को देखते हुए कार्यपालक अभियंता द्वारा तत्काल प्रभाव से भारी वाहनों के परिचालन पर रोक लगाने और केवल हल्के वाहनों के आवागमन की अनुमति देने का अनुरोध किया गया था। जिसकी जांच के बाद बटाने पुल से भारी वाहनों के परिचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का आदेश दिया गया है।

'कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमण्डल, औरंगाबाद द्वारा सूचित किया गया कि पथ निरीक्षण के दौरान पाया गया कि बटाने पुल जिसकी कुल लंबाई 225 मीटर, 9×25 मीटर है, काफी जर्जर स्थिति में है। पुल के विभिन्न गर्डरों में दरार तथा बियरिंग के पेडस्टल के पास भी दरार पाई गई है। निरीक्षण के दौरान लिए गए स्थलीय फोटोग्राफ भी उपलब्ध कराए गए हैं। '- अभिलाषा शर्मा, जिलाधिकारी, औरंगाबाद

हल्के वाहनों के परिचालन की अनुमति: राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमण्डल के कार्यपालक अभियंता को आवश्यक संकेतक बोर्ड और क्रैश बैरियर लगाने का निर्देश दिया गया है। साथ ही भारी वाहनों के वैकल्पिक परिचालन के लिए अम्बा से देव एनएच-19 और अम्बा से बारूण एनएच-19 भाया नवीनगर मार्ग पर आवश्यक संकेतक बोर्ड लगाने का भी निर्देश दिया गया है, ताकि भारी वाहनों के परिचालन में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।

इसके अतिरिक्त संबंधित पुल की मरम्मति के लिए अविलंब आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने और कार्य की प्रगति से जिला प्रशासन को यथाशीघ्र अवगत कराने का निर्देश भी दिया गया है। बटाने पुल के बंद होने के बाद परिवर्तित यातायात मार्ग औक दण्डाधिकारी-पुलिस पदाधिकारियों की भी प्रतिनियुक्ति की गई है।

भारी वाहनों के परिचालन पर रोक: एनएच 139 स्थित बटाने पुल से भारी वाहनों के परिचालन पर रोक लगाए जाने के बाद जिला प्रशासन द्वारा वैकल्पिक यातायात व्यवस्था लागू कर दी गई है। जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा और पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार भारी और व्यवसायिक वाहनों के सुरक्षित और सुगम परिचालन के लिए विस्तृत रूट चार्ट तैयार किया गया है।

नए वैकल्पिक रूट: पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) मनोज कुमार ने बताया कि रोहतास से हरिहरगंज जाने वाली भारी वाहन बारूण से तेतरिया मोड़ होते हुए जपला मार्ग से हरिहरगंज जा सकेंगे। गया और पटना से हरिहरगंज जाने वाले भारी वाहन बारूण-जपला मार्ग होकर हरिहरगंज जाएंगे। हरिहरगंज से औरंगाबाद आने वाले भारी वाहनों का प्रवेश औरंगाबाद सीमा पर निषेध रहेगा। ऐसे वाहन जपला-बारूण-राष्ट्रीय उच्च पथ-19 मार्ग का उपयोग करेंगे।

हरिहरगंज से औरंगाबाद आने वाली बड़ी यात्री बसें और 12 चक्का व्यवसायिक वाहन अम्बा चौक से नवीनगर-बारूण होकर औरंगाबाद आ सकेंगे। रोहतास की ओर से आने वाली बड़ी यात्री बसें और 12 चक्का व्यवसायिक वाहन बारूण-केशव मोड़-तेतरिया-नवीनगर-अम्बा चौक होकर हरिहरगंज जा सकेंगे। पटना और गया की ओर से हरिहरगंज जाने वाली बड़ी यात्री बसें और 12 चक्का व्यवसायिक वाहन भी उक्त वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करेंगे। औरंगाबाद से नवीनगर जाने वाले छोटे वाहन चतरा मोड़ से माली होते हुए नवीनगर जा सकेंगे।

पटना हाईकोर्ट का ऐतिहासिक पल, मिलेंगी महिला मुख्य न्यायाधीश

पटना, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने सिक्किम हाईकोर्ट की वरिष्ठ न्यायाधीश जस्टिस मीनाक्षी मदन राय को पटना हाईकोर्ट का नया मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश केंद्र सरकार से की है। यह नियुक्ति पटना हाईकोर्ट के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संगम कुमार साहू की सेवानिवृत्ति के बाद होगी।

5 जून को संभालेंगी कार्यभार: जस्टिस संगम कुमार साहू 4 जून 2026 को रिटायर हो रहे हैं। उनके बाद 5 जून 2026 को जस्टिस मीनाक्षी मदन राय पटना हाईकोर्ट की 48वीं मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण करेंगी। उनके साथ पटना हाईकोर्ट को अपनी महिला मुख्य न्यायाधीश मिल जाएगी।

सिक्किम से पटना तक ऐतिहासिक यात्रा: जस्टिस मीनाक्षी मदन राय सिक्किम हाईकोर्ट की पहली महिला स्थायी न्यायाधीश हैं। उन्होंने सिक्किम हाईकोर्ट में कई बार कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की जिम्मेदारी भी संभाली है।

उनकी नियुक्ति बिहार के न्यायिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

पारिवारिक पृष्ठभूमि और जन्म: 12 जुलाई 1964 को सिक्किम के एक प्रतिष्ठित परिवार में जन्मी मीनाक्षी मदन राय के पिता सिक्किम के गृह सचिव रह चुके हैं। उन्होंने न्यायपालिका में लंबा और उल्लेखनीय योगदान दिया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय से शिक्षा: जस्टिस राय ने दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित लेडी श्रीराम कॉलेज से राजनीति विज्ञान (ऑनर्स) में स्नातक किया। इसके बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर से एलएलबी की डिग्री प्राप्त की। साल 1990 में उन्होंने दिल्ली बार काउंसिल में वकालत के लिए पंजीकरण कराया।

वकालत से न्यायिक सेवा में प्रवेश: दिल्ली हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में वकालत करने के बाद जस्टिस मीनाक्षी मदन राय दिसंबर 1990 में सिक्किम में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के रूप में नियुक्त हुईं। वह इस पद पर पहुंचने वाली सिक्किम की पहली महिला थीं।

तेज तरक्की और उपलब्धियां: 2004 में वे जिला एवं सत्र न्यायाधीश बनीं तथा बाद में सिक्किम हाईकोर्ट की रजिस्ट्रार भी रहीं। 15 अप्रैल 2015 को उन्हें सिक्किम हाईकोर्ट की पहली महिला स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति मिली।

बिहार न्यायपालिका के लिए नया अध्याय: अपने समृद्ध अनुभव के साथ जस्टिस मीनाक्षी मदन राय पटना हाईकोर्ट का नेतृत्व संभालेंगी। उनकी नियुक्ति न केवल पटना हाईकोर्ट बल्कि पूरे बिहार की न्यायिक व्यवस्था के लिए एक नया और प्रेरणादायक अध्याय साबित होने वाली है।

बारिश के लिए हो रहा यज्ञ, इंसान क्या पशु-पक्षी भी त्राहि-त्राहि कर रहे

वैशाली, एजेंसी। भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप से परेशान लोगों के लिए बिहार के वैशाली से एक अनोखी तस्वीर सामने आई है। यहां बारिश की कामना और लोगों को गर्मी से राहत दिलाने के लिए हवन यज्ञ शुरू किया गया है। समाजसेवी केदार प्रसाद यादव की इस पहल की इलाके में खूब चर्चा हो रही है।

इंद्रदेव को आमंत्रण: वैशाली जिला अंतर्गत भगवानपुर प्रखंड के रतनपुरा गांव में समाजसेवी केदार प्रसाद यादव ने इंद्र भगवान को प्रसन्न करने के लिए विधिवत हवन यज्ञ शुरू कराया है। दरअसल कई दिनों से लगातार पड़ रही भीषण गर्मी और तेज धूप से लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। इंसानों के साथ-साथ पशु-पक्षी और जनजीवन भी प्रभावित हो रहे हैं।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शुरू हुई पूजा: इसी भयंकर गर्मी को लेकर गांव में विशेष पूजा-अर्चना और हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। पंडित अभय आचार्य की देख रेख में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ की शुरुआत हुई। परिवार में भजन और पारंपरिक गीत गाकर भगवान से अच्छी

वर्षा की प्रार्थना की गई।

बारिश होने तक जारी रहेगा हवन: समाजसेवी केदार यादव का कहना है कि जब तक बारिश नहीं होगी तब तक यह हवन यज्ञ लगातार चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि सच्चे मन से पूजा करने पर भगवान जरूर प्रसन्न होते हैं और लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलेगी। 'इस भीषण चिलचिलाती गर्मी से इंसान, पशु-पक्षी, जानवर, जन-जीवन सबका जीना मुहाल हो गया है, इतनी धूप है कि अब रहा नहीं जा रहा है। इसलिए हम इंद्रदेव और भगवान भोलेनाथ की शरण में आए हैं ताकि वर्षा हो और सबको राहत मिले।'

चर्चा में न्यूज मैन: केदार प्रसाद यादव पहले भी अपनी अनोखी पहलों को लेकर सुर्खियों में रह चुके हैं। वे कभी भैंस पर चढ़कर वोट डालने पहुंचते हैं तो कभी सड़क दुर्घटना रोकने के लिए हाइवे रेल ट्रैक की पूजा कर चर्चा में आए।

ललन सिंह और संजय झा क्यों नहीं यूजीसी पर कुछ बोलते हैं?': आनंद मोहन

पटना, एजेंसी। बिहार के बाहुबली नेता और पूर्व सांसद आनंद मोहन इन दिनों अपने बेबाक भाषणों से सुर्खियों में है। अभी पिछले दिनों जेडीयू के नेताओं पर कई आरोप लगाए थे, जिस पर काफी हंगामा हुआ था। लगा था कि आनंद मोहन थम जाएंगे। जेडीयू ने भी नरम रुख रखा था लेकिन वह रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। आनंद मोहन ने एक बार फिर से नई दिल्ली में आयोजित राजपूत शौर्य सम्मान समारोह में जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह को आड़े हाथों लिया है।

संजय झा और ललन सिंह पर भड़के: दरअसल, आनंद मोहन का वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्होंने यूजीसी के मुद्दे पर संजय झा और ललन सिंह के साथ-साथ बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। अपने भाषण में पूर्व सांसद कह रहे हैं कि सवर्ण हैं तो यूजीसी पर बात क्यों नहीं करते? क्या सिर्फ आनंद मोहन ही सवर्ण है? क्या आनंद मोहन ही बोल सकता है?

नितिन नबीन पर भी साधा निशाना: बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का नाम लेकर आनंद मोहन कहते हैं, 'नितिन नबीन कायस्थ हैं। वो भी सवर्ण हैं, यूजीसी का नियम उन पर भी लागू होगा लेकिन कोई क्यों नहीं कहता

कि नितिन नबीन क्यों नहीं बोलते?'

यूजीसी के बहाने सवर्ण राजनीति?: नई दिल्ली के बुराड़ी में आनंद मोहन ने राजपूत शौर्य संगम में ललन सिंह, संजय झा और नितिन नबीन पर निशाना साधा है। इस कार्यक्रम में देश के अलग-अलग राज्यों से राजपूत समुदाय के बड़े नेताओं को आमंत्रित किया गया था। जिसमें आनंद मोहन भी आमंत्रित थे। इन्होंने जब भाषण दिया तो यूजीसी का मुद्दा उठाकर जेडीयू नेता संजय झा और ललन सिंह पर हमला तो किया ही साथ ही बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को भी लपेट लिया।

क्या है यूजीसी विवाद?: यूजीसी विवाद उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत और अन्य प्रकार के भेदभाव को रोकने के लिए जनवरी में जारी किए गए नए 'इक्विटी नियमों' से संबंधित है। इन नियमों के विरोध और बवाल के कारण सुप्रीम कोर्ट ने इन पर रोक लगा दी थी।

बिहार के पूर्व सांसद के घर ड्रग विभाग की रेड, नकली दवाइयां बरामद,

किराएदार चला रहा था अवैध कारोबार

गया, एजेंसी। बिहार के गया में ड्रग्स डिपार्टमेंट की बड़ी कार्रवाई हुई है। गया शहर के कोतवाली थाना अंतर्गत न्यू एरिया पीपरपांती मुहल्ले में चतरा के पूर्व सांसद दिवंगत रंजीत सिंह उर्फ रंग सिंह के आवास पर छापेमारी की गई। यहां एक किराए के कमरे में नकली और नशीली दवाइयों का बड़ा गोरखधंधा संचालित हो रहा था। इस कार्रवाई में मौके से लाखों रुपए मूल्य की नकली और नशीली दवाइयों की बरामदगी की गई है।

सरकारी बिल्डिंग में अवैध कारोबार: बड़ी बात यह है कि इसी बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर बिहार सरकार के पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग का कार्यालय संचालित होता है। वहीं इसके पहले तल्ले के एक कमरे से नकली और नशीली दवाइयों की सप्लाई का अवैध कारोबार चलाया जा रहा था। इसकी गुप्त सूचना औषधि विभाग को लगी थी। जिसके बाद गया के सिटी डीएसपी सरोज

शाह के साथ मिलकर इस बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया गया।

रैपर, मशीन और दवाइयों की बड़ी खेप बरामद: औषधि विभाग की टीम ने मौके से नकली और नशीली दवाइयों की खेप बरामद की है। इसके साथ ही मौके से भारी मात्रा में रैपर, ढक्कन और मशीन आदि की भी बरामदगी की गई है। औषधि विभाग की इस कार्रवाई से कई अहम सुराग मिले हैं। इन सुरागों के आधार पर अन्य चिन्हित स्थानों पर भी छापेमारी चल रही है। पुलिस ने मौके से एक दंपति को हिरासत में लिया है।

पुलिस हिरासत में पति-पत्नी, पूछताछ जारी: हिरासत में लिए गए व्यक्ति का नाम विकास कुमार बताया जा रहा है। पति-पत्नी को हिरासत में लेकर पुलिस की टीम लगातार पूछताछ कर रही है। बरामद दवाओं में भारी संख्या में नशीले कफ सिरप और नींद की गोलियां शामिल हैं। यह दवाइयां प्रतिबंधित श्रेणी में नहीं हैं, किंतु इनके नकली होने की पूरी संभावना है। ड्रग डिपार्टमेंट आरोपियों को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रहा है।

50 लाख मूल्य की दवा बरामद: आधिकारिक तौर पर अभी बरामद दवाओं की कुल कीमत घोषित नहीं की गई है। हालांकि सूत्रों के मुताबिक यह बरामदगी कम से कम 50 लाख रुपए के आसपास की है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस नेटवर्क के जरिए कई राज्यों में नशीली दवाओं की सप्लाई की जा रही थी। फिलहाल बड़े पैमाने पर मिली नींद की दवाओं और कफ सिरप के इस पूरे नेटवर्क को खंगाला जा रहा है।

बिहार सरकार की बड़ी पहल, थैलेसीमिया पीड़ित 43 बच्चों का सफल बोन मैरो ट्रांसप्लांट

सरकार का प्रयास है कि गंभीर बीमारी से जूझ रहे बच्चों को समय पर बेहतर इलाज मिले और उनका जीवन सामान्य हो सके

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार ने थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित बच्चों के इलाज को लेकर बड़ी पहल की है। राज्य सरकार की मुख्यमंत्री बाल थैलेसीमिया योजना के तहत अब तक 43 बच्चों का सफलतापूर्वक बोन मैरो ट्रांसप्लांट कराया जा चुका है। वहीं अब 5 और बच्चों को इलाज के लिए तमिलनाडु के वेल्लोर स्थित क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज भेजने की तैयारी की जा रही है।

सरकारी योजना तहत इलाज: यह मुख्यमंत्री बाल थैलेसीमिया योजना के तहत भेजा जाने वाला आठवां बैच होगा। स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने कहा कि राज्य सरकार गंभीर और दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित बच्चों को बेहतर इलाज और सुरक्षित भविष्य देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

43 बच्चों का सफल बोन मैरो ट्रांसप्लांट: स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री बाल थैलेसीमिया योजना के अंतर्गत सात बैचों में अब तक 43 बच्चों का सफल बोन मैरो ट्रांसप्लांट कराया गया है।

उन्होंने कहा कि थैलेसीमिया मेजर से पीड़ित 5 बच्चों का नया बैच जल्द ही इलाज के लिए वेल्लोर भेजा जाएगा। सरकार का प्रयास है कि गंभीर बीमारी से जूझ रहे बच्चों को समय पर बेहतर इलाज मिले और उनका जीवन सामान्य हो सके।

2024 से चल रहा इलाज: उन्होंने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में 6 अगस्त 2024 को मुख्यमंत्री बाल थैलेसीमिया योजना को मंत्रिमंडल की स्वीकृति मिली थी। इसके बाद 4 अक्टूबर 2024 को योजना के तहत 13 बच्चों का पहला बैच इलाज के लिए वेल्लोर भेजा गया था। इसके बाद लगातार चरणबद्ध तरीके से बच्चों का उपचार कराया जा रहा है।

6 एकीकृत डे-केयर केंद्र: निशांत कुमार ने कहा कि बिहार सरकार थैलेसीमिया, हीमोफिलिया और सिकल सेल एनीमिया जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के इलाज और देखभाल को लेकर बहुस्तरीय प्रयास कर रही है। इसी उद्देश्य से राज्य में 6 एकीकृत डे-केयर केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों पर थैलेसीमिया मरीजों को जांच, ब्लड ट्रांसफ्यूजन, आयरन चेलेटिंग दवाएं और एंटी हेमोफिलिक फैक्टर ट्रांसफ्यूजन सहित जरूरी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

निशुल्क बोन मैरो ट्रांसप्लांट: उन्होंने बताया कि 12 वर्ष से कम आयु के योग्य बच्चों के लिए संचालित मुख्यमंत्री बाल थैलेसीमिया योजना के तहत बिहार सरकार ने क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर के साथ समझौता ज्ञापन किया है। योजना के अंतर्गत ऐसे बच्चों का चयन किया जाता है जिनका एचएलए मैच उनके भाई या बहन से होता है। चयनित बच्चों का सीएमसी वेल्लोर में पूरी तरह निशुल्क बोन मैरो ट्रांसप्लांट कराया जाता है।

सरकार कितना करेगी खर्च: स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने कहा कि थैलेसीमिया पीड़ित प्रत्येक बच्चे के बोन मैरो ट्रांसप्लांट और इलाज पर राज्य सरकार करीब 15 लाख रुपये खर्च कर रही है। इस राशि में मरीज, डोनर और उनके माता-पिता की हवाई यात्रा, अस्पताल में इलाज, वेल्लोर में रहने और भोजन समेत अन्य जरूरी खर्च शामिल हैं।

बिहार में एमएलसी चुनाव का शंखनाद, एक उपचुनाव समेत 10 सीटों के लिए 18 जून को मतदान

पटना, एजेंसी। बिहार विधान परिषद की खाली हो रही 10 सीटों पर 18 जून को चुनाव होंगे। केंद्रीय चुनाव आयोग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। पूर्व सीएम नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद खाली हुई सीट पर भी उपचुनाव होगा, जबकि बाकी 9 सीटों पर चुनाव होगा।

इन 9 सीटों पर चुनाव: बिहार में 28 जून को 9 सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है। इनमें डॉक्टर कुमुद वर्मा, प्रोफेसर गुलाम गौस, मोहम्मद फारूक, भीष्म सहनी, भगवान सिंह कुशवाहा, संजय प्रकाश, समीर कुमार सिंह, सम्राट चौधरी और सुनील कुमार सिंह शामिल हैं।

2 एमएलसी बन चुके हैं एमएलए: इन 9 सीटों में से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और योजना विकास मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा की सीट पहले से खाली है, क्योंकि दोनों विधानसभा चुनाव में विधायक चुने गए हैं।

नीतीश के इस्तीफे के कारण उपचुनाव: वहीं, नीतीश कुमार की सीट पर होने वाले उपचुनाव और 9 अन्य सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए अलग-अलग सूचना जारी हुई है। चुनाव आयोग की तरफ से की गई घोषणा के अनुसार बिहार के साथ कर्नाटक के विधान परिषद सीटों पर भी चुनाव होगा।

18 जून को सभी सीटों पर मतदान: 1 जून को चुनाव का नोटिफिकेशन जारी होगा, जबकि 8 जून नॉमिनेशन का अंतिम दिन है।

संक्षिप्त समाचार

पिकअप ने बाइक और ट्रैक्टर-ट्रॉली में मारी टक्कर, दो लोगों की मौत, महिला-बच्ची घायल; मची चीख-पुकार

वाराणसी, एजेंसी। सोनभद्र के मधुपुर–नौगढ़ मार्ग पर बीती रात हुए भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला और उसकी चार वर्षीय पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसा सोनभद्र–चंदौली सीमा के पास जरलहवा बस्ती के समीप रात करीब साढ़े नौ बजे हुआ, जब तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने पहले एक बाइक को टक्कर मारी और फिर आगे जाकर ट्रैक्टर–ट्रॉली से भिड़ गया। जानकारी के अनुसार, रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के लोहरा गांव निवासी विजय अपनी पत्नी ममता (25) और चार वर्षीय पुत्री मिट्ठी के साथ बाइक से जा रहे थे। मधुपुर क्षेत्र की जरलहवा बस्ती के पास विजय बाइक खड़ी कर सड़क किनारे स्थित गुमटी से पानी लेने गए थे। इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक के पास खड़ी ममता और उनकी मासूम पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तत्काल मधुपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक को टक्कर मारने के बाद पिकअप अनियंत्रित हो गई और कुछ दूरी पर आगे चल रही ट्रैक्टर–ट्रॉली से जा भिड़ी। ट्रॉली में मधुपुर की झपरी बस्ती से खपरैल लादकर लोग वापस डुमरिया गांव लौट रहे थे। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रॉली पर सवार नौगढ़ थाना क्षेत्र के डुमरिया गांव निवासी नग्गू राम (60) पुत्र चेखरी तथा रामलखन (60) पुत्र स्वर्गीय बसंतू ट्रॉली के नीचे दब गए। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में विजय और मटरू नामक व्यक्ति को मामूली चोटें आई हैं। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने पिकअप वाहन को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पांच हजार रुपये रिश्वत लेते लेखपाल गिरफ्तार, एंटी करप्शन टीम की कार्रवाई पर मचा हंगामा

बरेली, एजेंसी। बरेली में भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन) की टीम ने मंगलवार शाम सदर तहसील परिसर से राजस्व लेखपाल विपिन पटेल को पांच हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एक प्लॉट की दाखिल खारिज के लिए वह रिश्वत ले रहा था। टीम आरोपी को कोतवाली लाई तो कई लेखपाल जुट गए। कोतवाली का घेराव कर हंगामा किया। एंटी करप्शन टीम पर ही आरोप लगा दिया। टीम प्रभारी इंस्पेक्टर प्रवीण सान्याल ने बताया कि पीलीभीत जिले के बिलसंडा थाना के औड़ाझार गांव निवासी लेखपाल विपिन पटेल शहर की सनराइज कॉलोनी में रहता है। इज्जत नगर के करमपुर चौधरी निवासी बली मोहम्मद ने उनके कार्यालय आकर शिकायत की थी। बताया कि उनकी पत्नी शबाना के नाम 171 वर्ग गज के प्लॉट के दाखिल खारिज के लिए उन्होंने लेखपाल विपिन पटेल से जनवरी में संपर्क किया था। लेखपाल ने इस काम के लिए 30 हजार रुपये की मांग की थी। कुछ रकम वह दे चुके थे। लेखपाल लगातार रिश्वत की रकम बढ़ाता जा रहा है। बली मोहम्मद की शिकायत की गंभीरता को देखते हुए तत्काल टीम गठित की गई। प्रवीण सान्याल के नेतृत्व में टीम ने शाम को लेखपाल कक्ष से आरोपी को रंगे हाथ पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद टीम आरोपी को कोतवाली ले आई। इंस्पेक्टर सान्याल के मुताबिक यहां उसकी जेब की तलाशी में 7950 रुपये बरामद किए गए। उसके घर का पता पूछकर तलाश किया गया लेकिन वह लगातार टीम को भ्रमित करता रहा। शाम ढले तक टीम को सनराइज कॉलोनी में लेखपाल का घर नहीं मिला तो वह चली आई। कोतवाली में उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। सिरौली के बरसेर गांव में युवती क्रांति की गला दबाकर हत्या कर दी गई। पिता व भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रथमदृष्टया यही लग रहा है कि युवती की लोकलाज के चलते परिजनों ने गला दबाकर हत्या कर दी है। पुलिस मामला दर्ज कर गिरफ्तारी करेगी और सच्चाई खोलेगी।

मरीजों को निशुल्क दी जाती हैं जो दवाएं उनमें भी खेल, ऐसे चल रहा 50 फीसदी पर कमीशन का धंधा

आगरा, एजेंसी। मरीजों को निशुल्क दिए जाने वाली फिजिशियन सैंपल की दवाओं का अवैध कारोबार हो रहा है। नॉट फॉर सेल को मिटाकर इनको कई राज्यों में खपाया जा रहा है। इन दवाओं से होने वाली कमाई में विक्रेता और दवा प्रतिनिधि का 50–50 फीसदी का कमीशन है। मेडिकल फर्म और अवैध गोदाम से जब्त सैंपल की दवाओं को उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में खपाया जा रहा है। इनमें 30 से अधिक नामी कंपनियों की दवाएं हैं। औषधि विभाग ने जांच में दवा प्रतिनिधि, हॉकर और विक्रेता की मिलीभगत पकड़ी है। केमिकल से नॉट फॉर सेल को मिटाकर नया लेबल (दवाओं की वास्तविक कीमत) लगाकर बाजार में बेची जा रही है।

किसी का उजड़ा सिंदूर तो कोई हुआ अनाथ

उन्नाव जिले के औरास थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में कई परिवारों की खुशियां छीन लीं

कानपुर, एजेंसी। उन्नाव जिले के औरास थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। किसी के सिर से पिता का साया छिन गया तो किसी की मांग का सिंदूर उजड़ गया। मौत की सूचनाएं घर पहुंचते ही परिवार के लोग बेहाल हो गए। दिल्ली, गुड़गांव और गोरखपुर से देर शाम तक मृतकों के परिवार के लोग पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचते रहे। शव देख चीख पुकार मची रही।

बेटा बोला– छुट्टी न मिलने से पिता मुझसे मिलकर लौट रहे थे : हादसे में जान गंवाने वाले सुरेश कुमार जायसवाल गोरखपुर में ही ग्रॉसरी का काम करते थे। बेटे अभिषेक ने बताया कि वह दिल्ली में कंप्यूटर ऑपरेटर है। छुट्टी न मिलने के कारण पिता उससे मिलने दिल्ली गए थे। सोमवार सुबह पहुंचे थे। पूरे दिन मेरे साथ रहने के बाद शाम को बस में घर आने के लिए बैठ गए थे। बताया कि करीब दो साल पहले मां पूनम देवी की बीमारी से मौत हो गई थी।

क्या पता था अब कभी नहीं मिलेंगे : पिता ही मेरे साथ छोटे भाई आदित्य और कृष्णा का भी ध्यान रखते थे। बताया कि पापा बोलकर गए थे, जब मन न लगे तो आ जाना, या मुझे बता देना मिलने आ जाऊंगा। लेकिन यह नहीं पता था कि अब वह कभी नहीं मिलेंगे। यह बताते हुए वह फोन पर ही तेज-तेज से रोने लगा। बोला पहले मां ने साथ छोड़ा और पिता हमेशा के लिए छोड़कर चले गए।

आंखों के सामने पति की मौत, बिंद्रावती बदहवास : हादसे का शिकार हुए विदेशी गुप्ता परिवार सहित दिल्ली में रहते हैं। उनके दोस्त शिवम ने बताया कि वह प्राइवेट नौकरी करते थे। बस में वह पत्नी बिंद्रावती के साथ अपने घर गोरखपुर आ रहे थे। हादसे में विदेशी की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि उनकी पत्नी को अधिक चोट नहीं आई थी।

समय पर इलाज होता तो बच जाती जान : आंखों के सामने पति की मौत से वह बेहाल हैं। सीएचसी में वह बेहोश हो गईं। पानी की छीटें डालने के बाद वह होश में आईं। बिंद्रावती ने आरोप लगाया कि कि सीएचसी में समय पर इलाज होता तो शायद मेरे पति की जान बच जाती। घटना के समय तीनों बच्चे घर पर थे। मौत की सूचना पहुंचने के बाद सभी घर के लिए निकले हैं।

पापा कहते थे दो साल बाद सेवानिवृत्त होकर रहेंगे साथ: एक्सप्रेसवे पर हुई घटना में जान गंवाने वाले बिहार सीवान के महाराजगंज मछुआरी निवासी उपनिरीक्षक रवीचरन पुलिस लाइन में तैनात थे। बेटे राजू कुमार ने बताया कि पिता के सेवानिवृत्त होने के दो साल बचे थे। सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने साथ रहने और फिर घूमने की बात कही थी।

बंदी को लेकर जा रहे थे गुड़गांव : लेकिन यह नहीं पता था कि बीच रास्ते में ही हम लोगों को छोड़कर चले जाएंगे। जाते समय यह बताया था कि एक बंदी को लेकर गुड़गांव जा रहे हैं। उनके साथ कांस्टेबल मो. वसीम और रोधन कुमार भी गए थे। वह भी घायल हुए हैं। पति की मौत से पत्नी कांती देवी, बच्चों में तीन बेटे और दो बेटी बेहाल हैं।

आठ महीने बाद परिजनों मिलने जा रहे थे दिनेश, रास्ते में मौत : बस पलटने से जान गंवाने वाले दिनेशचंद्र चतुर्वेदी दिल्ली में रहकर प्राइवेट नौकरी करते थे। लखनऊ निवासी उनके साले आशीष पांडेय ने बताया कि जीजा दिवाली पर घर आए थे। तब से अब अपने घर गोंडा के श्रृंगारधार मासकनवा जा रहे थे। पत्नी मिथलेश और बच्चों में सोनल, प्रियल, अंशिका और अन्नू पिता के आने की राह देख रही थीं। मौत की खबर जैसे ही घर पहुंची कोहराम मच गया। बेटियां बार-बार बेहोश हो रही थीं। दिनेशचंद्र ही अपने परिवार के सहारा थे।

दिव्यांग सरकारी कर्मचारी की हत्या में दो साल से जेल में था : हादसे का शिकार हुआ गुड़गांव निवासी तोमर उर्फ चंद्रपाल पेशे से डॉक्टर था। लेकिन आचरण अच्छे न होने से पत्नी अमरजीत कौर ने 15 साल पहले ही तलाक ले लिया था। तलाक में दो बच्चे निशिका और निशांक मां के पास ही रहने का आदेश हुआ था।

हत्या क्यों की थी, यही नहीं पता : अमरजीत कौर ने बताया कि करीब दो साल पहले पता चला कि उसने गोरखपुर में किसी दिव्यांग सरकारी कर्मचारी की हत्या कर दी है। हत्या करने के बाद वहां से भागकर मुझे भी मारने आए थे। लेकिन सफल नहीं हुए थे। पत्नी के मुताबिक उसने ही पति को गुड़गांव के सेक्टर पांच थाने में पकड़वाया था। तब से वह जेल में हैं। हत्या क्यों की थी, यही नहीं पता। मंगलवार सुबह मेरे पास उनकी मौत की खबर आई।

परिवार वाले शादी के लिए देख रहे थे रिश्ता : बस पलटने से हुई सेरसहन गोविंदपारा निवासी विजय कुमार की मौत की घटना में बड़े भाई अजय कुमार ने बताया कि विजय दिल्ली के आर्मी कैंप के पास सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। पांच महीने पहले घर से गया था, तब से वहीं था। सोमवार को घर आने के लिए बस में बैठा था, तब फोन कर बताया था। बेटे की मौत से मां सिरजना देवी सहित अन्य परिजन बेहाल हैं।

‘नींद में लगा बम फटा’, क्रेन से उठाते ही नीचे गिरने लगीं लाशें, मंजर देख दहल उठे लोग

उन्नाव, एजेंसी। लंबे सफर की थकान और भोर पहर का वक्त होने से बस में सवार सभी यात्री नींद में थे। यात्रियों ने सीट पर बैठकर सफर कर रहे घायल यात्रियों ने बताया कि नींद में थे तभी अचानक तेज धमाके की आवाज आई तो सभी चीख पड़े। इतना तेज झटका लगा कि संभलने का मौका नहीं मिला। ऊपर की बर्थ पर सो रहे यात्री और बैठकर सफर कर रहे यात्री एक-दूसरे पर गिर गए।

जो बस में नीचे की तरफ फंसे वह जिंदा नहीं बच पाए। दिल्ली से बलिया जा रहे ब्रजेश कुमार ने बताया कि तेज झटका लगने के बाद सभी यात्री एक-दूसरे पर गिरे और लगा किसी बस किसी गहरी खाई में फिसलती चली जा रही हो। बस की खिड़की का शीशा टूट जाने से वह किसी तरह बाहर निकल आया। इसी बीच शोर सुनकर एक्सप्रेसवे से निकल रहे कुछ वाहन चालकों ने रुक कर उनकी मदद की।

कई लोगों को बाहर निकाला उनमें वह (ब्रजेश) भी शामिल है। हादसे में मृत विदेशी गुप्ता के साथ सफर कर रहीं उनकी पत्नी बिंद्रावती ने बताया कि वह काफी दिनों बाद गोरखपुर जा रहे थे। अगले महीने परिवार में एक शादी में भी शामिल होने था। बताया कि जिस समय हादसा हुआ वह भी गहरी नींद में थीं। कुछ तेज झटके लगने और गिरने से के बाद मानो दिमाग की सोचने-समझने की शक्ति ही खत्म हो गई थी।

कुछ लोगों ने निकाला,एंबुलेंस में थे तब पति के बारे में जानकारी ली। बताया गया कि उन्हें अस्पताल पहुंचा दिया गया है, बाद में पति की मौत की जानकारी हुई। हल्की चोटें लगने से घायलों में बहराइच के शिवमंगल, गोरखपुर के राजकुमार, दिनेश आदि ने बताया कि वह बस में दाहिनी ओर की सीट पर बैठे थे और बस बाएं तरफ पलटी। अगर वह बाएं तरफ होते तो उनका भी जिंदा बचना बचना मुश्किल था।

हादसे के बाद रेस्क्यू टीमों ने घायल बस यात्रियों को निकाला लेकिन कई लोग सीटों के बीच फंसे होने और उनमें कई के पैर, हाथ की अंगुलियां कट गईं थीं। पुलिस ने आनन-फानन क्रेन लगाकर बस को उठाया तो नीचे से लाशें गिरने लगीं। सातों को स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।उन्नाव जिले में एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में चीख-पुकार की आवाजें आती रहीं। स्थिति यह थी कि किसी का बायां पैर धड़ से अलग हो गया तो किसी के सिर, चेहरे, छाती और हाथों में गंभीर चोटें आईं।

ननिहाल आए पांच साल के मासूम को ट्रक ने कुचला, मौत, आरोपी चालकी की पिटाई, पुलिस ने छुड़ाया

गाजीपुर , एजेंसी। गाजीपुर के मरदह थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच वर्षीय बालक की मौत हो गई। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने भाग रहे ट्रक चालक को पकड़कर जमकर पिटाई कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चालक को भीड़ के चंगुल से छुड़ाकर हिरासत में लिया और ट्रक को कब्जे में ले लिया।

जानकारी के अनुसार करीमुद्दीनपुर थाना क्षेत्र के ऊंचाडीह गांव निवासी आर्यन यादव (5) पुत्र रामदरश यादव अपनी मां रीता यादव के साथ चार दिन पहले अपने ननिहाल चंवरा बिहरा गांव आया था। मंगलवार को वह अपने मामा महेंद्र यादव और मामी के साथ मरदह बाजार खरीदारी करने गया था। बाजार से लौटते समय मरदह थाना मुख्यालय से करीब 400 मीटर दूर डॉ. भीमराव अंबेडकर तिराहे के पास हादसा हो गया।

थानाध्यक्ष तारावती यादव ने बताया कि मरदह बस स्टैंड-कासिमाबाद मार्ग स्थित तिराहे पर पीछे से आ रहे खाली गैस सिलेंडर लदे ट्रक ने आर्यन को कुचल दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से उसे तत्काल उपचार के लिए मऊ जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों में मचा कोहराम : हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर मौके से भागने लगा, लेकिन स्थानीय लोगों ने दौड़ाकर उसे पकड़ लिया। बालक की मौत से नाराज लोगों ने चालक की जमकर पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद चालक को भीड़ से बचाकर बाहर निकाला।

चालक की पहचान प्रदीप कुमार निवासी बहरी, थाना बड़ागांव, वाराणसी के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल चालक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतक के मामा महेंद्र यादव की तहरीर के आधार पर विधिक कार्रवाई की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए मॉर्च्युरी भेज दिया गया है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

अब ‘वन पेज नोटिंग’ पर रोक, पूरी मूल पत्रावली ही होगी पेश

डीएम ने बदला फाइल निस्तारण नियम

आगरा, एजेंसी। आगरा में फाइलों के निस्तारण में होने वाली देरी को रोकने के लिए जिलाधिकारी मनीष बंसल ने मंगलवार को पत्रावलियों के निस्तारण के नियमों में बदलाव किया है। अब एक पेज पर नोटिंग का शॉर्टकट नहीं चलेगा। पूरी मूल पत्रावली मय दस्तावेज पेश होगी। भुगतान में मनमानी रोकने और तथ्य छिपाकर या आधे-अधूरे तथ्यों से फाइल हस्ताक्षर के लिए भेजने पर डीएम ने रोक लगा दी है।

विकास प्राधिकरण, नगर निगम, विकास भवन सहित जिले के 50 से अधिक विभागों के मामलों को निपटाने के लिए शॉर्टकट अपनाकर नई फाइल (पत्रावली) बनाने की प्रथा पर डीएम ने रोक लगा दी है। अधिकारियों को अब आधी-अधूरी जानकारी के बजाय पूरी मूल पत्रावली ही डीएम के समक्ष पेश करनी होगी। प्रशासन के संज्ञान में यह बात सामने आ रही थी

कि विभिन्न विभागों के अधिकारी किसी प्रकरण में पूर्व से चल रही मूल पत्रावली को प्रस्तुत करने के बजाय, एक नया पेज तैयार कर उस पर नोटिंग (टिप्पणी) लिखकर डीएम के सामने ले आते थे। इस कार्यप्रणाली के कारण मामलों से जुड़ी पुरानी और महत्वपूर्ण जानकारियां छिप जाती थीं, जिससे सही फैसले लेने में बाधा आती थी।

क्या हैं नए आदेश

मूल फाइल होगी स्वीकार: भविष्य में सभी विभाग नोडल अधिकारी के माध्यम से केवल मूल पत्रावलियां ही आवश्यक अभिलेखों के साथ समयबद्ध रूप से प्रस्तुत करेंगे।

वित्तीय मामलों में दोहरी जांच: जिन फाइलों में वित्तीय मामले शामिल हैं, वे फाइलें पहले मुख्य कोषाधिकारी से जांची जाएंगी। इसके बाद मुख्य विकास अधिकारी और अपर जिलाधिकारी की राय के साथ ही डीएम के पास पहुंचेंगी।

देना होगा लिखित प्रमाण: सबसे अहम बदलाव यह है कि अब विभागीय अधिकारियों को अपनी नोटिंग पर यह स्पष्ट रूप से लिखकर घोषणा करनी होगी कि उक्त के अतिरिक्त समविषयक कोई अन्य पत्रावली वर्तमान में पृथक से प्रचलित नहीं है।

वाराणसी में डूबने से चार लोगों की मौत

वाराणसी, एजेंसी। गंगा दशहरा पर मंगलवार को आस्था की डुबकी लगाने पहुंचे तीन परिवारों की खुशियां मातम में बदल गईं। आदमपुर थाना क्षेत्र के अलग-अलग घाटों पर गंगा स्नान के दौरान किशोर समेत तीन युवकों की डूबने से मौत हो गई। पहली घटना आदमपुर थाना क्षेत्र के भैसासुर घाट पर हुई, जहां बिहार के दुर्गावती निवासी अभिषेक (20) नहाते वक्त गहरे पानी में चला गया।

परिवार के साथ गंगा स्नान करने पहुंचे अभिषेक को लोगों ने तुरंत गंगा से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी सांसें उखड़ चुकी थीं। इसी घाट पर कोनिया निवासी इवान (12) की परिवार के साथ नहाने के दौरान गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। आदमपुर पुलिस ने गोताखोरों की मदद से इवान के शव को बाहर निकलवाया। मंडलीय अस्पताल भेजा, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। आदमपुर थाना क्षेत्र के सक्का घाट पर सुबह गोंडा के भाटपुरवा निवासी हरिओम सिंह (24) की नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई। नाविकों ने उसे बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आदमपुर पुलिस ने किशोर समेत तीनों के शव को संरक्षण में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बच्चों का शव देखते ही परिजन बदहवाश हो गए।

उनकी आंखों के सामने ही इवान, हरिओम और अभिषेक की गंगा में डूबने से मौत हुई। एसीपी कोतवाली विजय प्रताप सिंह ने बताया कि घाटों पर अनाउंसमेंट भी कराया गया। बेरिकेडिंग और जेटी के बाहर कोई नहीं जाए। तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।चोलापुर थाना क्षेत्र के औरा गांव में अमृत सरोवर में मंगलवार सुबह प्रेमचंद्र अग्रहरि (26) की डूबने से मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को संरक्षण में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बड़े भाई रामचंदर अग्रहरि ने पुलिस को तहरीर दी है। औरा गांव निवासी प्रेमचंद्र अग्रहरि सुबह सात बजे तालाब में नहाने गया था। गहरे पानी में जाने से वह डूब गया। सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया।

ट्रेडिंग स्कैम और बैंक फ्रॉड, एक गलती से गंवाई रकम

कारोबारी से 5.13 लाख और महिला से 7 लाख की साइबर ठगी

आगरा, एजेंसी। सोशल मीडिया पर ऑनलाइन ट्रेडिंग एप पर निवेश करने पर रोजाना 20 प्रतिशत मुनाफे के लालच में फंसकर कारोबारी ठगी का शिकार हो गए। साइबर ठगों ने कई बार में 5.13 लाख रुपये अलग-अलग खातों में ले लिए। एप पर मुनाफा दिखता रहा, लेकिन जब रकम निकालने का प्रयास किया तो रकम नहीं दी। पीड़ित ने थाना साइबर क्राइम में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

बरारा गांव निवासी बनवारीलाल ने बताया कि सोशल मीडिया पर ऑनलाइन ट्रेडिंग के लिंक पर क्लिक करने के बाद साइबर ठगों ने एक वाट्सएप ग्रुप में जोड़ा। ग्रुप को 5 पैसा एप से जुड़ा बताया गया। इसके बाद अन्य लिंक भेजकर 5 पैसा का क्लोन एप डाउनलोड कराया गया। आरोपियों ने खुद को शेयर ट्रेडिंग का विशेषज्ञ बताते हुए एप के माध्यम से निवेश करने पर प्रतिदिन 20 प्रतिशत मुनाफा देने का

लालच दिया। इसके बाद एक और ग्रुप में जोड़कर अलग-अलग यूपीआई आईडी और बैंक खातों में रुपये जमा कराने को कहा गया। 30 जनवरी से 24 फरवरी के बीच पीड़ित ने 10 अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 5.13 लाख रुपये खातों में ट्रांसफर कर दिए। एप में जमा रकम पर मुनाफा दिखाई देता रहा। इस कारण उनका भरोसा बना रहा। 26 फरवरी को अचानक एप में दिख रही पूरी रकम शून्य हो गई और आरोपियों ने वाट्सएप पर भी संपर्क बंद कर दिया। थाना प्रभारी साइबर क्राइम ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज की गई है।

महिला के खाते से साइबर ठगों ने उड़ाए सात लाख

कमला नगर के शालीमार एन्क्लेव निवासी महिला के बैंक खाते से 7 लाख रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। रितु लालवानी ने बताया कि उनका एचडीएफसी बैंक की हींग की मंडी शाखा में खाता संचालित है। 17 अप्रैल को उनके खाते से दो बार में 4 लाख और 1.50 लाख रुपये और 18 अप्रैल को 1.56 लाख रुपये निकल गए। ठगों ने उनके खाते से जुड़ी ईमेल आईडी भी बिना जानकारी के बदल दी।मोबाइल नंबर बंद होने के कारण उन्हें रकम निकलने की समय पर जानकारी नहीं मिल सकी। मामले का पता चलने पर उन्होंने बैंक की डिटेल के साथ पुलिस से शिकायत की है। थाना प्रभारी साइबर क्राइम ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

साइबर अपराध से बचाव को रखें ध्यान

डीसीपी साइबर क्राइम आदित्य कुमार ने बताया कि साइबर ठगी से बचने के लिए किसी भी अंजान कॉल, मैसेज या ईमेल पर भरोसा न करें। खासकर तब जब कोई आपसे बैंक, बीमा या सरकारी विभाग के नाम पर जानकारी और रकम की मांग करे। अपनी बैंक डिटेल, ओटीपी, पासवर्ड या कार्ड की जानकारी किसी से साझा न करें। किसी लिंक पर क्लिक करने से पहले उसकी सत्यता जांच लें। केवल आधिकारिक वेबसाइट और एप का ही उपयोग करें। ठगी होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं और नजदीकी थाने में शिकायत करें।

दिल्ली वाले ध्यान दें! तीन माह तक बंद रहेगा यह रास्ता, लोगों की बढ़ी मुसीबत

मरम्मत का कार्य शुरू होने के बाद रास्ता बंद किया गया

नईदिल्ली, एजेंसी। मंगोलपुरी अंडरपास मरम्मत के कारण लगभग तीन माह के लिए बंद कर दिया गया है। रास्ता बंद होने से वाहनों की आवाजाही पूरी से बंद कर दी गई है। ऐसे में अब सड़क मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को तीन-चार किलोमीटर लंबा घूमना पड़ रहा है। रास्ता बंद होने लगभग 50 हजार से अधिक लोग प्रभावित है। अंडरपास बंद होने के कारण उद्योग नगर की ओर से मंगोलपुरी, रोहिणी व सुल्तानपुरी की ओर आने वाले राहगीरों को पीरागढ़ी या सुल्तानपुरी मोड़ से होते हुए आना पड़ रहा है। जिन्हें नांगलोई में भारी जाम का सामना करना पड़ता है।

मंगोलपुरी के लोगों को अब उद्योग मेट्रो स्टेशन नहीं, बल्कि पीरागढ़ी से मेट्रो से यात्रा शुरू करनी पड़ती है। उद्योग नगर से मंगोलपुरी की ओर आने वाले लोग लगभग एक किलोमीटर पैदल चलने के बाद ई-रिक्शा के माध्यम से अपने गंतव्य तक पहुंच रहे है।पैदल यात्री अंडरपास या ऊपर से रेलवे लाइन पार कर जान हथेली पर रखकर अपना रास्ता तय करते दिखें।

लगभग दो वर्षों से अंडरपास की स्थित दयनीय बनी हुई थी। जर्जर सड़क के कारण लोग दुर्घटना का शिकार हो जाते थे। सड़क में हो रहे गड्ढों की वजह से लोगों को जाम में फंसा रहना पड़ता था। अंडरपास की खस्ता हालत को देखते हुए सरकार ने लगभग तीन सप्ताह पूर्व मरम्मत का कार्य प्रारंभ कराया।

स्थानीय विधायक राजकुमार चौहान ने बताया कि कुछ दिनों पहले ही अंडरपास के मरम्मत का कार्य शुरू होने के बाद रास्ता बंद किया गया।

आगामी तीन माह तक यह कार्य पूरा किया जाएगा। उसके बाद पुनः रास्ता खोल दिया जाएगा। लगभग तीन करोड़ की लागत से अंडरपास में सड़क, नाले व फुटपाथ सहित अन्य कार्य किए जा रहे है। मैं निहाल विहार बाजार में काम करने के लिए जाता हूं। रास्ता बंद होने के बाद रास्ता लंबा हो गया है और समय भी अधिक लग रहा है। लेकिन अंडरपास को मरम्मत होना जरूरी था। क्योंकि स्थिति काफी खराब हो चुकी है। - रमेश, मंगोलपुरी 11 मई से यह रास्ता बंद कर दिया गया था। तब से मुझे उद्योग नगर मेट्रो स्टेशन तक पैदल जाना पड़ता है। फिर ई-रिक्शे से आगे जाता हूं। क्योंकि अंडरपास में कोई भी वाहन नहीं जा रहा। पांच मिनट के रास्ता तय करने के लिए अब 25-30 मिनट लग जाती है। मैं ज्वालापुरी से आ रही हूं।अब रास्ता बंद हो गया।

दिल्लीवालों के लिए अच्छी खबर, नए राशन कार्ड बनने शुरू; घर बैठे ऑनलाइन करें आवेदन

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने नए राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया दोबारा शुरू कर दी है। अब नागरिक घर बैठे आसानी से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इससे पहले बंद पड़ी इस सुविधा को फिर से शुरू करने से आम लोगों को बड़ी राहत मिली है। आवेदन के लिए जरूरी दस्तावेजों में आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, फैमिली इनकम सर्टिफिकेट और परिवार के सभी सदस्यों का विवरण शामिल है। सरकार ने राशन कार्ड के लिए आय सीमा भी बढ़ा दी है। पहले 1 लाख तक की वार्षिक आय वाले परिवार योग्य थे, अब इसे बढ़ाकर ?1.20 लाख कर दिया गया है। सरकार का कहना है कि जल्द ही ?2.5 लाख तक की आय वाले परिवारों को भी राशन कार्ड का लाभ दिया जाएगा। इससे मध्यम वर्ग के अधिक परिवारों को सस्ता अनाज मिल सकेगा। इच्छुक व्यक्ति दिल्ली सरकार के पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

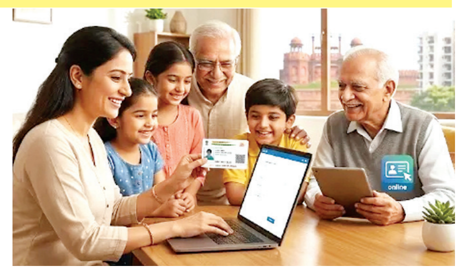

दिल्ली में दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, अवैध हथियार सहित 10 चोरी की बाइकें बरामद

नईदिल्ली, एजेंसी। कालकाजी थाना पुलिस की टीम ने दो अलग-अलग कार्रवाई में दो वाहन चोरों- केशव उर्फ भानू और जीतू कुमार को गिरफ्तार किया है। तलाशी में जीतू के पास से एक पिस्टल व कारतूस मिले।

आरोपितों की निशानदेही पर करने के लिए एक समर्पित टीम का गठन किया गया, जिसमें एसआई जयविंद, एएसआई कृष्ण, एएसआई राहुल चौधरी, हवलदार कुलदीप, सिपाही सुधीर, सिपाही गौरव और सिपाही मनोज शामिल थे। टीम ने गहन तकनीकी और जमीनी

जांच शुरू की। आरोपियों और उनके वाहन की आवाजाही का पता लगाने के लिए लगभग 350 किलोमीटर के दायरे में लगे सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया गया। निगरानी के दौरान एक हुंडई एक्सेंट कार, जिसका पंजीकरण है, की पहचान अपराध को अंजाम देने के दौरान सहायक वाहन (सपोर्ट व्हीकल) के रूप में उपयोग किए जाने के रूप में हुई। जुटाई गई खुफिया जानकारी के आधार पर, पहले आरोपी अमित सिंह (पुत्र राधेश्याम, निवासी राज पार्क, देवली, खानपुर, दिल्ली), जो उक्त हुंडई एक्सेंट का मालिक और चालक था।

टीम ने 10 बाइक भी बरामद की। दोनों की गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने वाहन चोरी के 10 मामलों को भी सुलझाने का दावा किया है।

दक्षिणी पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी के मुताबिक गोविंदपुरी एक्सटेंशन निवासी शिकायतकर्ता मनजीत सिंह मोहाल ने रॉयल एनफील्ड बाइक (छ्रु3स्त्रश्व-8628) की चोरी के संबंध में कालकाजी थाने में 11 जनवरी को ऑनलाइन एफआइआर दर्ज कराई थी। अपराध की गंभीरता को देखते हुए, एसएचओ थाना कालकाजी के करीबी पर्यवेक्षण और एसीपी/कालकाजी के समग्र मार्गदर्शन में आरोपी को गिरफ्तार

संक्षिप्त समाचार

भीषण गर्मी के बीच दिल्ली में बदलेगा मौसम, झमाझम बारिश के आसार

नईदिल्ली, एजेंसी। मौसमी उतार चढ़ाव के बीच बुधवार को भी दिल्ली में गर्मी के तेवर तल्ख ही रहेंगे। तापमान भी 45 डिग्री के पार जा सकता है, लेकिन एक पश्चिमी विक्षोभ के चलते करवट लेगा। फिर अगले कई दिन वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान तापमान में 6 से 8 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आने की संभावना है। बुधवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री दर्ज किया गया। दिन का तापमान 45 डिग्री के आसपास रह सकता है। दिन भर आसमान साफ रहेगा तेज धूप भी निकली रहेगी। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से सतही हवा भी चलेगी। रिज स्टेशन पर 27.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.9 डिग्री ज्यादा है और आयानगर में 26.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.7 डिग्री कम था। दूसरी तरफ दिल्ली की वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में ही चल रही है। बुधवार को सुबह नौ बजे दिल्ली का एक्यूआई 184 दर्ज किया गया। इसे 'मध्यम' श्रेणी में रखा जाता है। एनसीआर के शहरों में भी हवा संतोषजनक से मध्यम श्रेणी में चल रही है। पूर्वानुमान है कि हाल फिलहाल इसमें बहुत अधिक बदलाव नहीं होगा।

यमुना बाढ़ क्षेत्र के 'जोन ओ' में अवैध कॉलोनियां अस्वीकार्य

नईदिल्ली, एजेंसी। यमुना बाढ़ क्षेत्र में अतिक्रमण से जुड़े मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने टिप्पणी की है कि दिल्ली के यमुना बाढ़ क्षेत्र में स्थित 'जोन ओ' के अंतर्गत आने वाली आवासीय कॉलोनियां पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं। कोर्ट ने पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में जारी अवैध निर्माण पर चिंता व्यक्त की और चेतावनी दी कि नए अनधिकृत निर्माणों की अनुमति देने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। कोर्ट ने कहा कि यह स्पष्ट है कि एमसीडी के इंजीनियरों की देखरेख में ही जोन 'ओ' में यह नया अनधिकृत निर्माण किया जा रहा है। यमुना खादर में ओ जोन क्षेत्र में निगम, सिंचाई विभाग इस तरह के बोर्ड लगा रहा है। कोर्ट ने ओ जोन में आने वाले क्षेत्रों के संबंधित कार्यकारी इंजीनियरों के नाम अगली सुनवाई में अदालत के समक्ष रखने का निर्देश दिया। साथ ही कार्यकारी इंजीनियर को भी अगली सुनवाई में उपस्थित रहने का आदेश दिया।

दिल्ली के खजूरी खास में 23 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या

नईदिल्ली, एजेंसी। खजूरी खास इलाके में अज्ञात बदमाशों ने गोलियां मारकर एक युवक की हत्या कर दी। मृतक की पहचान राजा मेवाती उर्फ अक्की उर्फ आकिब के रूप में हुई है। वारदात को अंजाम देकर बदमाश फरार हो गए। खजूरी खास थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बदमाशों ने करीब 8 राउंड गोलियां चलाई, तीन गोलियां युवक को लगी। जान गंवाने वाले युवक पर भी कई आपराधिक केस दर्ज थे। पुलिस ने बताया कि मंगलवार रात सूचना मिली कि खजूरी खास में एक युवक को गोलियां मारी गई हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आशंका है रंजिश में हत्या को अंजाम दिया गया है। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें लगाई गई हैं।

बकरीद मनाने वाले छात्रों के लिए बाद में आयोजित की जाएगी विशेष परीक्षा

नईदिल्ली, एजेंसी। बकरीद की तारीख पर परीक्षा के आयोजन के खिलाफ दायर याचिका पर डीयू ने दिल्ली हाई कोर्ट को सूचित किया कि मुस्लिम छात्रों के लिए चार जुलाई के बाद एक विशेष परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ के समक्ष डीयू ने कहा कि जो मुस्लिम छात्र बकरीद मनाना चाहते हैं, उनके लिए किसी अन्य तारीख पर एक विशेष परीक्षा आयोजित की जाएगी। डीयू ने यह भी कहा कि जो छात्र 28 मई को परीक्षा नहीं देना चाहते हैं वे ईमेल के जरिए ला फैकल्टी के डीन को बुधवार तक सूचित कर सकते हैं।

विजय विहार में चार मंजिला इमारत में भीषण आग, 23 लोगों को बचाया गया

नईदिल्ली, एजेंसी। विजय विहार फेज-2 में चार मंजिला रिहायशी इमारत में अचानक आग लगने के बाद 23 लोगों को रेस्क्यू किया गया। इस दौरान दो लोगों को चोट लगीं। दमकल विभाग कर्मचारियों ने आग और धुएं से घिरे बदहवास लोगों को सीढ़ी और रस्सी का सहारा देकर बालकनी से एक-एक को रेस्क्यू किया। इस काम में स्थानीय लोगों ने भी दमकम कर्मचारियों को बखूबी साथ दिया। चूंकि, इमारत में 15-16 परिवार रह रहे हैं और भवन का पिछला दरवाजा बंद था, इसलिए रेस्क्यू में कठिनाई आई। 23 में से एक व्यक्ति को स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला। आग में छह दोपहिया वाहन और लगभग डेढ़ दर्जन बिजली के मीटर के अलावा घरेलू सामान जलकर राख हो गया। इमारत से बाहर निकलने की जल्दबाजी के दौरान दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। दोनों की हालत स्थिर बताई जा रही है। शुरुआती जांच से पता चलता है कि आग ग्राउंड फ्लोर पर बिजली मीटर सेक्शन में लगी थी। विजय विहार फेज-2 में श्मशान घाट रोड स्थित चार मंजिला इमारत में सुबह करीब सात बजे आग लग गई। इस इमारत में 15-16 परिवार रह हैं। घटना के समय तीन दर्जन से अधिक लोग थे। आग लगने के बाद अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोग समय रहते बाहर आ गए, लेकिन घने धुएं के कारण लोग बालकनी में फंस गए। दमकल कर्मचारियों ने इमारत में फंसे लोगों को निकालने के लिए सीढ़ी लगाई और बचाव कार्य आरंभ किया। घबराहट में कुछ लोगों ने चिल्लाना शुरू कर दिया और रस्सी के सहारे खुद उतरने का प्रयास किया। कर्मचारियों ने सुरक्षित रेस्क्यू का भरोसा दिया। दमकम कम्रचारियों ने के सामने सीढ़ी लगाकर और बालकनी में फंसे तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म: रोहिणी कोर्ट ने दोषी को दी अंतिम सांस तक कैद की सजा

नईदिल्ली, एजेंसी। रोहिणी कोर्ट ने पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म करने वाले व्यक्ति को अंतिम सांस तक जेल में रहने की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दुष्कर्मी को मौत की सजा देने से यह कहते हुए इन्कार कर दिया कि यह मामला दुर्लभतम (रेयरेस्ट आफ रेयर) श्रेणी में नहीं आता है। साथ ही कोर्ट ने दोषी के बर्ताव को शैतानी बताया और कहा कि अगर दोषी इतनी छोटी बच्ची से दुष्कर्म कर सकता है तो वह पूरे समाज के लिए एक गंभीर खतरा है, इसलिए उसे जिंदगी भर जेल में रखा जाना चाहिए। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमित सहरावत ने मात्र छह माह में अपना फैसला दिया। कोर्ट ने पिछले महीने की 30 तारीख को आरोपित को दोषी ठहराया था और मंगलवार को सजा सुनाई। कोर्ट ने दोषी को पाक्सो एक्ट के तहत शेष जिंदगी के लिए कारावास की सजा दी। कोर्ट ने पीड़िता को 13.5 लाख रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश दिया। झकझोर देने वाली यह घटना पिछले साल 17 नवंबर को हुई थी। अभियोजन पक्ष की मौत की सजा की मांग पर कोर्ट ने कहा कि यह घटना रेयरेस्ट आफ रेयर श्रेणी में नहीं आती। दोषी की कम उम्र और साफ अतीत को देखते हुए इस मामले में मौत की सजा सही नहीं है। हालांकि, दोषी को मौत की सजा देने पर विचार नहीं किया जा रहा है, लेकिन फिर भी इसमें कोई शक नहीं है कि उसके काम शैतानी हैं और वह किसी भी तरह की नरमी का हकदार नहीं है और उसे जितना हो सके समाज से दूर रखा जाना चाहिए। विशेष लोक अभियोजक आदित्य कुमार ने कोर्ट के समक्ष दोषी को मौत की सजा दिए जाने का अनुरोध किया और कहा कि दोषी ने लगभग साढ़े चार साल की बच्ची के साथ खतरनाक काम किया है। यौन उत्पीड़न के बाद बच्ची को 16 अस्पताल में रहना पड़ा। दोषी बच्ची के पड़ोस में रहता था। कोर्ट ने कहा कि पीड़ित की तकलीफ की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कई सर्जरी करवाना और फिर सर्जरी की दिक्कतों की वजह से बिस्तर पर पड़े रहना बहुत दर्दनाक है। पीड़िता की मां ने कोर्ट को बताया कि उनकी बेटी की कई सर्जरी हुई और वह तरल पदार्थ ही ले पा रही है। वे बेरोजगार हो गए, क्योंकि उन्हें बारी-बारी से बच्ची की देखभाल करनी पड़ती थी।

अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति सम्मान में आ रही गिरावट खतरनाक

संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख ने दी चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति सम्मान में खतरनाक गिरावट को लेकर चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि संप्रभु समानता, क्षेत्रीय अखंडता, राजनीतिक स्वतंत्रता और बल प्रयोग की मनाही जैसे मूल सिद्धांतों को या तो चुनौती दी जा रही है या इन्हें अनदेखा किया जा रहा है।

सुरक्षा परिषद में मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों को बनाए रखने और संयुक्त राष्ट्र-केंद्रित अंतरराष्ट्रीय प्रणाली को मजबूत करने पर एक उच्चस्तरीय खुली बहस आयोजित की गई। इसे संबोधित करते हुए गुटेरेस ने कहा कि नियमों के उल्लंघन पर जवाबदेही नहीं हो रही और दंड से बच निकलने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

संयुक्त राष्ट्र चार्टर मानवता की सबसे अच्छी उम्मीद: गुटेरेस

एंटोनियो गुटेरेस ने चिंता जताते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर शांति के लिए मानवता की सबसे अच्छी उम्मीद बना हुआ है, लेकिन इसकी ताकत इसे बनाए रखने के लिए जिम्मेदार लोगों की प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। महासचिव ने चेतावनी दी कि भू-राजनीतिक विभाजन गहरा रहे हैं, अविश्वास बढ़ रहा है और आम सहमति बनाना तेजी से मुश्किल होता जा रहा है। गुटेरेस ने इस बात पर भी जोर दिया कि अक्सर यह परिषद एकता और उद्देश्य के साथ कार्य

करने में विफल रहती है। उन्होंने कहा, 'जब सुरक्षा परिषद विभाजित होती है, तो इसके परिणाम इस कक्ष से कहीं आगे महसूस किए जाते हैं।'

यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया संघर्ष तक का किया जिक्र महासचिव ने संघर्षों की बढ़ती संख्या और उनकी तीव्रता पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से अब तक के सबसे ज्यादा संघर्षों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, बाहरी हस्तक्षेप बढ़ रहा है, जिसमें ड्रोन जैसे हथियारों की आपूर्ति शामिल है, जो अक्सर नागरिकों और उनसे जुड़ी चीजों को निशाना बनाते हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया, सूडान, यूक्रेन और अन्य क्षेत्रों में हिंसा का पैमाना और जटिलता बढ़ रही है। गुटेरेस ने तेजी से बढ़ती और अस्थिर करने वाले हथियारों की दौड़ के बारे में भी चिंता जताई।

इन गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए एंटोनियो गुटेरेस ने तीन प्रमुख क्षेत्रों में कार्रवाई का आह्वान किया: संघर्ष की रोकथाम और शांति स्थापना, अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान, और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार। उन्होंने व्यापक बहुपक्षीय प्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सुरक्षा परिषद के सभी सदस्यों से संयुक्त राष्ट्र चार्टर का लगातार पालन करने, शांति के हितों में कार्य करने, नेतृत्व और समझौते के माध्यम से विश्वास का पुनर्निर्माण करने और यह सुनिश्चित करने में अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र वास्तव में वही बने जो वह बनना चाहता था: समाधान के लिए एक मंच, अंतरराष्ट्रीय कानून का संरक्षक, और शांति व सुरक्षा के लिए एक शक्ति।

हमास के सैन्य विंग प्रमुख को इस्राइल ने किया ढेर, सात अक्टूबर के नरसंहार का था मास्टरमाइंड

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने गाजा में हमास के सैन्य विंग के नए प्रमुख मुहम्मद ओदेह को मार गिराया है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी पुष्टि की। मुहम्मद ओदेह सात अक्तूबर को हुए नरसंहार के दौरान हमास के खुफिया विभाग का प्रमुख था। उसे हमास के नौसैनिक कमांडर के रूप में भी जाना जाता था और उसने कई आतंकवादी हमलों की योजना बनाई थी। ओदेह को लगभग एक सप्ताह पहले ही नियुक्त किया गया था, ताकि वह दो हफ्ते पहले आईडीएफ के हमले में मारे गए इज्जेदीन अल–हद्दाद की जगह ले सके। ओदेह इस्राइली नागरिकों और आईडीएफ सैनिकों की हत्या और अपहरण के लिए भी जिम्मेदार था। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए हमास के सैन्य विंग के नए प्रमुख मुहम्मद ओदेह को मार गिराए जाने की पुष्टि की। इसके साथ ही उन्होंने सात अक्तूबर 2023 के नरसंहार में शामिल सभी लोगों को खत्म करने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा, 'हमने अब हमास के सैन्य विंग के नेता और सात अक्टूबर के नरसंहार की साजिश में शामिल आतंकियों में से एक मुहम्मद ओदेह को निशाना बनाया है। हम उन सभी तक पहुंचेंगे।' इस बीच अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइल ने कल अपने अभियानों को तेज करने के बाद दक्षिणी लेबनान में अपने हमले जारी रखे। रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइली सेना ने लेबनान के विभिन्न इलाकों में हवाई हमले किए हैं। इन हमलों में कई लोगों के मारे जाने और घायल होने की खबर है।

फलस्तीन समर्थक महमूद खलील को राहत, संघीय अदालत ने इमिग्रेशन कोर्ट में भेजा मामला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संघीय अपीलीय अदालत ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र महमूद खलील को बड़ी राहत देते हुए ट्रंप प्रशासन की निर्वासन कार्रवाई के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए अतिरिक्त समय दे दिया है। इसे ट्रंप प्रशासन के लिए झटका माना जा रहा है। अमेरिका के स्थायी निवासी खलील को साल 2024 में कोलंबिया यूनिवर्सिटी में फलस्तीन के समर्थन में विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व करने के कारण अप्रवासन अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। अमेरिकी सरकार ने दलील दी थी कि खलील की मौजूदगी देश की विदेश नीति के हितों के लिए नुकसानदेह है।

कई महीनों तक हिरासत में रहने के बाद न्यूजर्सी की एक संघीय अदालत ने खलील को रिहा कर दिया था। अदालत ने कहा था कि सरकार की कार्रवाई असंवैधानिक थी। इसके बाद यूएस थर्ड अपीलीय सर्किट कोर्ट ने मामले की सुनवाई की। अदालत ने कहा कि न्यूजर्सी के जज को इस मामले में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं था और मामला पहले इमिग्रेशन अदालतों में चलना चाहिए। हालांकि मंगलवार को अपीलीय अदालत ने अपने फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी, ताकि खलील अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकें।

खलील की पैरवी कर रहे अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (ष्टरु) के वरिष्ठ वकील ब्रेट मैक्स कॉफमैन ने फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा, 'हम सुप्रीम कोर्ट से यह स्पष्ट करने की मांग करेंगे कि सरकार असहमति की आवाज दबाने के लिए हिरासत और निर्वासन की धमकी का इस्तेमाल नहीं कर सकती।' सुप्रीम कोर्ट में अपील आने वाले महीनों में, संभवतः गर्मियों के अंत तक, दायर की जा सकती है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने इस फैसले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। अदालत के निर्देश के मुताबिक खलील के वकीलों ने इमिग्रेशन अदालतों में भी पक्ष रखा, लेकिन अब तक उन्हें सफलता नहीं मिली है। इस मामले से जुड़ी एक अलग अपील लुइसियाना स्थित पांचवें अमेरिकी सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स में लंबित है।

निहित स्वार्थों के कारण सुरक्षा परिषद में नहीं हो रहे सुधार; वैश्विक मंच पर भारत की दो-टूक

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारत ने मंगलवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद 1945 की व्यवस्था में काम कर रही है। यह विश्वसनीयता के संकट का सामना कर रही है। भारत ने आगे कहा कि 'निहित स्वार्थ' उन सुधारों को रोक रहे हैं, जिनकी आवश्यकता इसे समकालीन चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने के लिए है।

भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने मंगलवार को कहा, 'परिषद सुधारों पर अंतर-सरकारी वार्ता (आईएन) में प्रगति की कमी कई सदस्य देशों के यथास्थिति बनाए रखने और आठ दशक पुरानी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संरचना को बरकरार रखने के निहित स्वार्थों का संकेत है।' सुधारों में मुख्य रूप से संयुक्त राष्ट्र के कुछ सदस्य देशों का एक छोटा

समूह बाधा डाल रहा है, जो स्वयं को यूनाइटिंग फॉर कंसेंसस (यूएफसी) कहते हैं। इस समूह का नेतृत्व इटली कर रहा है। इसमें पाकिस्तान भी शामिल है। यह समूह बातचीत को आगे बढ़ने से रोकने के लिए प्रक्रियात्मक दांव-पेच का इस्तेमाल करता है। स्थायी श्रेणी में विस्तार करना चाहिए हरीश परिषद में 'संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों को बनाए रखना और संयुक्त राष्ट्र-केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली को मजबूत करना' विषय पर हो रही बहस में बोल रहे थे। भारत के सुधार प्रस्तावों का मुख्य बिंदु परिषद की स्थायी सदस्यता का विस्तार करना है। उन्होंने ने कहा, 'हमें सदस्यता की स्थायी श्रेणी पर ध्यान देना चाहिए और उसका विस्तार करना चाहिए, जिससे इस परिषद की निर्णय लेने की प्रक्रिया में बदलाव आएगा।' उन्होंने आगे कहा, 'बदली हुई परिस्थितियों के अनुसार न ढलने से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अधिकार, विश्वसनीयता, वैधता और प्रभावशीलता और भी कम हो जाएगी।' महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी परिषद के विश्वसनीयता संकट की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा, 'एक सुरक्षा परिषद जो आज की दुनिया की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती है। वह अपनी जिम्मेदारियों को पूरी तरह से नहीं निभा सकती है।'उन्होंने कहा, टवैश्विक संस्थानों को आज की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करना चाहिए, न कि 1945 की वास्तविकताओं को। इस परिषद में यह बात सबसे अधिक जरूरी है।' अफ्रीका के साथ हुए अन्याय का खास रूप से जिक्र करते हुए (जिसे स्थायी सदस्यता से बाहर रखा गया है), गुटेरेस ने कहा, 'सुधार का अर्थ है विश्वसनीयता बहाल करना और यह सुनिश्चित करना कि यह परिषद चार्टर को बनाए रखने के लिए निर्णायक और समावेशी रूप से काम कर सके।'

संपादकीय | तनाव के माहौल में नरमी लाने का जरिया

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते के लिए वार्ता पिछले कई महीने से टुकड़ों में चलती रही है, लेकिन अब तक यह अंतिम स्वरूप में नहीं पहुंच सकी है। इसी क्रम में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने अपने ताजा भारत दौरे में एक बार फिर कुछ नए संकेत दिए, जिसमें इस मसले पर कदम आगे बढ़ाए जाने की रूपरेखा बनती दिख रही है।

हालांकि व्यापार वार्ता में अपने-अपने हित के मद्देनजर दोनों पक्षों की ओर से दबाव बनाना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन पिछले कुछ समय से अमेरिका ने एकतरफा तौर पर जिस तरह की कसौटियां तय करने की कोशिश की है, वह कई मायनों में भारत के लिए सहज स्वीकार्य नहीं रही हैं। यही वजह है कि अब तक इस समझौते का अंतिम स्वरूप सामने नहीं आ सका है।

अब अमेरिका की ओर से रूबियो ने जिस तरह परस्पर हित सुनिश्चित किए जाने की बात की है, उससे इसमें सकारात्मक प्रगति की उम्मीद जगी है। गौरतलब है कि भारत के विदेश मंत्री के साथ व्यापक वार्ता के बाद रूबियो ने कहा कि यह व्यापार समझौता दोनों देशों के लिए 'लाभकारी' और 'टिकाऊ' होगा। साथ ही यह अमेरिका और भारत के पारस्परिक हितों को आगे बढ़ाएगा।

निश्चित तौर पर अमेरिका की ओर से दिए गए ये संकेत बीते कुछ समय से आर्थिक मसले पर जारी तनाव के माहौल में नरमी लाने का जरिया हो सकते हैं, लेकिन यह देखने की बात होगी कि व्यापार समझौता अपने अंतिम रूप में 'परस्पर और समान हित' के सिद्धांत पर आधारित होता है या नहीं। यह छिपा नहीं है कि अमेरिका ने कुछ

महीने पहले दूसरे देशों से आयात पर पच्चीस से लेकर पचास फीसद तक शुल्क लगा कर किस तरह के हालात पैदा करने की कोशिश की थी। उसके इस रुख की वजह से दुनिया भर में प्रकारांतर से व्यापार युद्ध जैसी स्थितियां पैदा हो गई थीं।

खासतौर पर तेल खरीद को लेकर अमेरिका ने भारत पर जिस तरह की शर्तें थोपीं, रूस से तेल खरीदने पर शुल्क में बढ़ोतरी की जिद ठानी, उससे साफ था कि वह इस मसले पर अपनी मनमानी थोपना चाहता है। उसका यह रुख किसी भी तरह से 'परस्पर और समान हित' को सुनिश्चित किए जाने की मंशा के अनुकूल नहीं लगता।

अभी भी अमेरिका यही संदेश दे रहा है कि भारत उससे जितना तेल खरीदना चाहता है, उतना देने के लिए वह तैयार है। सवाल है कि तेल के लिए अगर भारत की निर्भरता केवल अमेरिका पर बनती है, तो इसके नतीजे क्या होंगे? अमेरिका एक विकल्प जरूर हो सकता है, लेकिन अपनी ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित बनाए रखने के लिए जरूरी है कि भारत अपने लिए अन्य देशों के वैसे व्यापक और विश्वसनीय स्रोतों का रास्ता भी खुला रखे, जो ज्यादा बेहतर और सस्ते हों।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव की स्थिति और होर्मुज जलमार्ग से आपूर्ति शृंखला बाधित होने की वजह से गहराते संकट से सभी वाकिफ हैं। इसी को आधार बना कर आज सरकार तेल और गैस की कीमतों में लगातार इजाफा कर रही है और आम लोगों पर बोझ बढ़ता जा रहा है।

अब नई परिस्थितियों में अगर भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता आगे बढ़ती है, तो यह ध्यान रखने की जरूरत होगी कि वह दोनों देशों के समान हित के सिद्धांतों पर आधारित हो। विदेश नीति के मामले में अमेरिका अगर खुद को प्राथमिकता देता है, तो यह उचित है, लेकिन इसके समांतर भारत के लिए भी अपने हित को सबसे महत्त्वपूर्ण मानना स्वाभाविक है।

ऊर्जा संकट पर काबू पाना ही होगा

पश्चिम एशिया में संघर्ष समाप्त होने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं, जिस कारण ऊर्जा संकट दिनोंदिन गहराता जा रहा है। इसी का नतीजा है कि सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में फिर से इजाफा कर दिया गया। पेट्रोल के दाम में 2.61 रुपये और डीजल में 2.71 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। पिछले दो हफ्तों से भी कम समय में यह चौथी बार की गई वृद्धि है। खबरों के मुताबिक, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के साथ उसके खुदरा दाम बढ़ा रही हैं। मगर सवाल सिर्फ कच्चे तेल के दामों में बढ़ोतरी का नहीं है, बल्कि इस बात का भी है कि सरकार इस संकट से निपटने के लिए वैकल्पिक उपायों पर कितनी तेजी और गंभीरता से काम कर रही है। बार-बार ईंधन की कीमतें बढ़ने से स्पष्ट है कि आने वाले दिनों में माल ढुलाई की लागत भी बढ़ेगी, जिससे जरूरी वस्तुएं महंगी होंगी। ऐसे में पहले से ही आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे आम लोगों पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

दरअसल, फरवरी के अंत से अब तक वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में पचास फीसद से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। इसका मुख्य कारण पश्चिम एशिया में तनाव और होर्मुज जलमार्ग को अवरुद्ध करने से तेल आपूर्ति का बाधित होना है। सरकार ने संघर्ष शुरू होने के बाद तकरीबन ढाई महीने तक तेल के दामों को स्थिर रखने का प्रयास किया, लेकिन तेल कंपनियों पर बढ़ते आर्थिक दबाव की वजह से अब स्थिति नियंत्रण से बाहर होती दिख रही है। हालांकि सरकार यह दावा करती रही है कि वैश्विक संकट के बीच ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत तैयार किए जा रहे हैं, लेकिन बीते करीब दो सप्ताह से पेट्रोल-डीजल और सीएनजी के दाम में जिस तरह से लगातार बढ़ोतरी हुई है, उससे सरकार के प्रयास सफल होते नजर नहीं आ रहे हैं।

इसका सबसे ज्यादा असर समाज के उस वर्ग पर पड़ेगा, जो आर्थिक रूप से कमजोर है और अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए दिन भर संघर्ष करता है। इससे पहले कि स्थिति और ज्यादा बिगड़े, सरकार को ऊर्जा संकट पर काबू पाने के वैकल्पिक रास्ते तैयार करने होंगे और महंगाई से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे।

आज का कार्टून

चीन का मुकाबला भारत के साथ मिलकर किया जा सकता है

अमेरिका को अब इस बात का भलीभांति एहसास हो चुका है कि चीन जैसी उभरती महाशक्ति को रोक पाना उसके अकेले बूते की बात नहीं रह गई है। यही कारण है कि चीन से लगभग खाली हाथ लौटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अब उम्मीद की सबसे मजबूत किरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दरबार में दिखाई दे रही है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का भारत दौरा दरअसल इसी बदली हुई वैश्विक मजबूरी और रणनीति का संकेत है। ट्रंप ने जिस तरह भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से बातचीत के दौरान सार्वजनिक तौर पर कहा कि 'मुझे प्रधानमंत्री मोदी बहुत पसंद हैं। मोदी महान हैं और वो मेरे दोस्त हैं।' ट्रंप ने यह तक कहा कि 'हम भारत के इतने करीब पहले कभी नहीं थे और भारत मुझ पर तथा अमेरिका पर सौ फीसदी भरोसा कर सकता है।' यह बयान सिर्फ दोस्ती का प्रदर्शन नहीं, बल्कि उस बदले हुए अमेरिकी रुख का संकेत है जिसमें वॉशिंगटन अब भारत को एशिया में शक्ति संतुलन बनाए रखने वाले सबसे अहम स्तंभ के रूप में देख रहा है। दिलचस्प बात यह भी रही कि मार्को रुबियो ने अपने भारत दौरे में ताजमहल के दीदार का कार्यक्रम भी रखा। कूटनीतिक गलियारों में इसे केवल पर्यटन नहीं, बल्कि एक प्रतीकात्मक संदेश माना जा रहा है, मानो अमेरिका भारत को यह भरोसा दिलाना चाहता हो कि वह इस बार दबाव नहीं, बल्कि मोहब्बत और साझेदारी का पैगाम लेकर आया है।

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका की विदेश नीति में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। ट्रंप प्रशासन के दौरान 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति ने सहयोगी देशों में असहजता पैदा की। कई देशों को लगा कि वॉशिंगटन अब भरोसेमंद साथी नहीं रहा। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। चीन की आर्थिक और सैन्य ताकत जिस तेजी से बढ़ी है, उसने अमेरिका को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि एशिया में उसका प्रभाव बनाए रखने के लिए भारत जैसी लोकतांत्रिक और उभरती शक्ति के साथ मजबूत रिश्ते जरूरी हैं।

दरअसल, चीन केवल व्यापारिक प्रतिस्पर्धी नहीं रहा। वह अब वैश्विक सप्लाई चेन, तकनीक, रक्षा उत्पादन और सामरिक निवेश के जरिए दुनिया पर अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। दक्षिण चीन सागर से लेकर ताइवान तक, बीजिंग का आक्रामक रवैया अमेरिका के लिए चुनौती बन चुका है। ऐसे में भारत अमेरिका के लिए एक स्वाभाविक विकल्प बनकर उभरा है। भारत एक ऐसा देश है जिसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, जिसके पास विशाल बाजार है और जो लोकतांत्रिक मूल्यों की बात करता है।

अमेरिका यह भी समझ चुका है कि केवल सैन्य शक्ति से चीन को रोका नहीं जा सकता। इसके लिए आर्थिक नेटवर्क, तकनीकी साझेदारी और भरोसेमंद औद्योगिक ढांचा जरूरी है। यही कारण है कि सेमीकंडक्टर, रक्षा निर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्रिटिकल मिनरल्स और डिजिटल टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ साझेदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

उधर, भारत के लिए भी यह अवसर कम महत्वपूर्ण नहीं है। लंबे समय तक भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति और रणनीतिक स्वायत्तता को प्राथमिकता दी। लेकिन अब नई दिल्ली समझ रही है कि वैश्विक शक्ति संतुलन में सक्रिय भूमिका निभाए बिना अपने हित सुरक्षित नहीं रखे जा सकते। यही वजह है कि भारत क्वॉड जैसे मंचों में सक्रिय है और अमेरिका, जापान तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। हालांकि, भारत की चुनौती यह है कि वह अमेरिका के साथ नजदीकी बढ़ाते हुए अपनी स्वतंत्र विदेश नीति भी बनाए रखे। रूस के साथ रक्षा संबंध हों या पश्चिम एशिया में संतुलन, भारत किसी एक खेमे में पूरी तरह शामिल होने से बचता रहा है। यही उसकी सबसे बड़ी कूटनीतिक ताकत भी है।एक चीज और उभर कर आ रही है कि अमेरिका को अब भारत के साथ संबंधों में सिर्फ रणनीतिक भाषा नहीं, बल्कि व्यावहारिक निवेश की भी जरूरत है। अगर वॉशिंगटन वास्तव में चीन का प्रभाव कम करना चाहता है, तो उसे भारत में निर्माण, तकनीक और औद्योगिक ढांचे को मजबूत करने में गंभीर निवेश करना होगा। केवल भाषणों और समझौतों से बात नहीं बनेगी। देखा जाये तो भारत के भीतर कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां अमेरिकी निवेश बड़ा बदलाव ला सकता है। उच्च तकनीक, रक्षा उपकरण निर्माण, डिजिटल डेटा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ सकता है। इससे दोनों देशों को फायदा होगा। एक तो अमेरिका को चीन पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी दूसरा भारत को वैश्विक उत्पादन केंद्र बनने का मौका मिलेगा। लेकिन इस साझेदारी की असली परीक्षा भरोसे

पर होगी। अमेरिका का पिछला रिकॉर्ड कई बार अस्थिर रहा है। अफगानिस्तान से अचानक वापसी और बदलती नीतियों ने उसके सहयोगियों को सतर्क किया है। भारत इसलिए हर कदम सोच-समझकर उठा रहा है। वैसे भी आज की दुनिया में गठबंधन केवल युद्ध लड़ने के लिए नहीं बनते, बल्कि तकनीक, व्यापार, डेटा और सप्लाई चेन पर नियंत्रण के लिए भी बनते हैं। अमेरिका और भारत के रिश्ते अब इसी नए दौर में प्रवेश कर चुके हैं। यह संबंध केवल दो देशों के बीच साझेदारी नहीं, बल्कि एशिया और दुनिया की नई शक्ति संरचना का आधार बन सकता है। मार्को रुबियो की यात्रा इसी बदलती भू-राजनीति का संदेश है। संकेत साफ है कि अमेरिका को अब भारत की जरूरत महसूस हो रही है। और भारत भी यह समझ चुका है कि वैश्विक राजनीति में अब निर्णायक खिलाड़ी बनकर उतरने का समय आ गया है।

इसके अलावा, हाल के घटनाक्रमों ने यह भी साफ़ कर दिया है कि अमेरिका की चीन नीति उतनी सफल नहीं रही, जितनी ट्रंप प्रशासन उम्मीद कर रहा था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाल ही में चीन दौरे पर गए थे, लेकिन वहां उन्हें कोई बड़ी रणनीतिक सफलता हासिल नहीं हुई। व्यापार, तकनीक और भू-राजनीतिक तनाव जैसे मुद्दों पर बीजिंग ने अमेरिकी दबाव के सामने झुकने के संकेत नहीं दिए। विश्लेषकों का मानना है कि इसी के बाद वॉशिंगटन को दोबारा यह एहसास हुआ कि एशिया में चीन का संतुलन केवल भारत के सहयोग से ही संभव है। यही वजह है कि ट्रंप के सुर अब बदले-बदले नजर आ रहे हैं। ट्रंप की चीन यात्रा के तुरंत बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत पहुंचे और उन्होंने भारत को 'नेचुरल पार्टनर' बताते हुए रिश्तों को नई दिशा देने की बात कही। माना जा रहा है कि ट्रंप ने अपने बेहद करीबी सहयोगियों में गिने जाने वाले भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और विदेश मंत्री मार्को रुबियो को भारत के साथ रिश्तों को फिर से मजबूत करने की जिम्मेदारी दी है। खुद सर्जियो गोर ने सार्वजनिक रूप से कहा कि ट्रंप भारत और प्रधानमंत्री मोदी के साथ संबंधों को बेहद अहम मानते हैं। दरअसल, अमेरिका अब समझ चुका है कि चीन के साथ 'प्रतिस्पर्धा और सहयोग' की उसकी रणनीति सीमित परिणाम दे रही है, जबकि भारत के साथ मजबूत साझेदारी इंडो-पैसिफिक में उसे कहीं अधिक स्थिर और भरोसेमंद आधार दे सकती है। संभवतः यह भी एक कारण है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अपने दौरे के दौरान साफ शब्दों में कहा कि भारत अब अमेरिका के 'सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोगियों' में शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बैठकों के बाद रुबियो ने संकेत दिए कि दोनों देशों के बीच लंबे समय से लंबित व्यापार समझौता अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है और आने वाले कुछ हफ्तों में इस पर सहमति बन सकती है। रुबियो ने यह भी स्पष्ट किया कि यह साझेदारी केवल टैरिफ या व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य टेक्नोलॉजी, निवेश, सप्लाई चेन और सामरिक सुरक्षा में गहरा सहयोग स्थापित करना है। क्वॉड को लेकर भी अमेरिका अब केवल औपचारिक बैठकों से आगे बढ़कर उसे वास्तविक आर्थिक और सामरिक गठबंधन के रूप में विकसित करना चाहता है, जिसमें समुद्री सुरक्षा, क्रिटिकल मिनरल्स और चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला प्रमुख एजेंडा होंगे। रुबियो के बयानों से यह साफ झलकता है कि वाशिंगटन अब भारत को केवल दक्षिण एशिया की शक्ति नहीं, बल्कि इंडो-पैसिफिक रणनीति के केंद्रीय स्तंभ के रूप में देख रहा है।

बहरहाल, यह पूरा घटनाक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संतुलित और दूरदर्शी कूटनीति की बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। पिछले लगभग एक वर्ष से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत के खिलाफ तीखे बयान, व्यापारिक दबाव और कई असहज संकेत लगातार सामने आते रहे, लेकिन नई दिल्ली ने कभी भी भावनात्मक प्रतिक्रिया या सार्वजनिक बयानबाजी का रास्ता नहीं चुना। मोदी सरकार ने संयम, धैर्य और रणनीतिक चुप्पी बनाए रखते हुए अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी। भारत न तो अमेरिकी दबाव के आगे झुका और न ही संबंधों को टकराव की दिशा में जाने दिया। इसकी बजाय सही समय का इंतजार करते हुए भारत ने अपनी आर्थिक ताकत, वैश्विक प्रतिष्ठा और रणनीतिक महत्व को और मजबूत किया। आज स्थिति यह है कि वही अमेरिका, जो कभी भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा था, अब रिश्तों को सुधारने और भारत को अपना सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताने पर मजबूर है। यह केवल कूटनीतिक जीत नहीं, बल्कि उस आत्मविश्वासी भारत की तस्वीर है जिसने दुनिया को दिखा दिया कि मजबूत राष्ट्र शोर से नहीं, बल्कि धैर्य, संतुलन और सही रणनीति से अपनी जगह बनाते हैं।

'जीवन का संगीत' एक अत्यंत सूक्ष्म और सुंदर रूपक है

अक्सर हम जीवन को उन दृश्यों में बांध देते हैं, जो हमारी आंखों के सामने घटित होते हैं। जैसे रोजमर्रा की घटनाएं, सफलताएं, असफलताएं, रिश्ते और समय के साथ बदलते हालात। मगर जीवन का एक और आयाम भी है, जो दृश्य नहीं है, फिर भी उतना ही वास्तविक है। यह आयाम है कंपन, स्पंदन, वह सूक्ष्म ऊर्जा, जो हमारे भीतर और चारों ओर निरंतर बहती रहती है। हम उसे देख नहीं पाते, फिर भी हम उसे महसूस अवश्य करते हैं। जैसे रंगों का प्रभाव केवल उनकी आकृति या चमक में नहीं, बल्कि उनकी ऊर्जा में छिपा होता है, वैसे ही जीवन की गहराई भी उसकी अनदेखी तरंगों में बसती है।

मनीषा मंजरी

जीवन में कंपन का अर्थ केवल भौतिक विज्ञान की किसी परिभाषा से नहीं है। यह एक ऐसा अनुभव है, जो भावनाओं, विचारों और चेतना के स्तर पर घटित होता है। हम कभी बिना किसी स्पष्ट कारण के प्रसन्न हो जाते हैं, तो कभी भीतर एक अनजानी उदासी उतर आती है। ये भावनाएं केवल परिस्थितियों का परिणाम नहीं होतीं, बल्कि हमारे भीतर चल रहे स्पंदनों की अभिव्यक्ति होती हैं। यही कारण है कि दो लोग एक ही परिस्थिति में अलग-अलग तरह से प्रतिक्रिया करते हैं, क्योंकि उनके भीतर के कंपन अलग होते हैं। दरअसल, जीवन 'घटनाओं' का नहीं, बल्कि 'अनुभवों' का नाम है और ये अनुभव हमारे भीतर के स्पंदनों से निर्मित होते हैं। जब हम यह समझने लगते हैं, तो हमारी दृष्टि अपने आप ही बाहर से भीतर की ओर मुड़ने लगती है। हम यह प्रश्न पूछने लगते हैं कि हमारे भीतर क्या चल रहा है या हमारी भावनाओं का स्रोत क्या है! यह भी कि क्या हम अपने अनुभवों के साक्षी बन सकते हैं! और यहीं से आत्मबोध की यात्रा प्रारंभ होती है।

इस यात्रा में सबसे बड़ी बाधा है, हमारी आदत, जो हर अनुभव को तुरंत नाम देने को आतुर होती है। हम हर भावना को 'अच्छा' या 'बुरा' कहकर सीमित कर देते हैं, लेकिन हम

अगर इन स्पंदनों को बिना किसी निर्णय के देखें, तो वे केवल ऊर्जा के रूप में प्रकट होते हैं। एक शुद्ध, गतिशील ऊर्जा, जो आती है और चली जाती है। इस दृष्टि से, जीवन एक स्थिर वस्तु नहीं, बल्कि एक सतत परिवर्तनशील प्रक्रिया है।

यह एक प्रवाह है, जिसमें हर क्षण कुछ नया जन्म लेता है और कुछ पुराना विलीन हो जाता है। और इसी प्रवाह में, हम अक्सर स्वयं को भूल जाते हैं, क्योंकि हम उन तरंगों से जुड़ जाते हैं, जो अस्थायी हैं। अगर हम इस भूल को पहचान लें, तो जीवन के प्रति हमारा दृष्टिकोण बदल सकता है। हम यह समझने लगते हैं कि हमें हर भावना के साथ बहना नहीं है, बल्कि उसे देखना-समझना और उसके पार जाना है। इसी अवस्था में 'जीवन' एक अनुभव से उठकर एक 'साधना और कला' बन जाता है।

इस संदर्भ में 'कलाकार' का रूपक अत्यंत सार्थक है। एक कलाकार जब अपने कैनवास पर रंग भरता है, तो वह केवल बाहरी चित्र नहीं बनाता, बल्कि अपनी आंतरिक स्थिति को व्यक्त करता है। उसके रंग उसके भीतर के स्पंदनों का रूप होते हैं। ठीक उसी प्रकार, हमारा जीवन भी एक कैनवास है और हमारे विचार, भावनाएं और कर्म उसके रंग हैं। मगर यहां हम केवल कलाकार ही नहीं, बल्कि स्वयं कैनवास भी हैं। यानी हम ही सृजनकर्ता हैं और हम ही सृजन। यह द्वैत और अद्वैत के बीच का वह सूक्ष्म बिंदु है, जहां जीवन अपनी सबसे गहन अनुभूति में प्रवेश करता है।

जब हम अपने विचारों को सजगता से देखने लगते हैं, तो हमें यह एहसास होता है कि हर विचार एक बीज है, जो भविष्य के अनुभवों को जन्म देता है। हर भावना एक तरंग है, जो हमारे भीतर और बाहर दोनों को प्रभावित करती है। और हर कर्म उस तरंग को एक दिशा देता है।

इस प्रकार, हम अनजाने में ही अपने जीवन का संगीत रचते रहते हैं। 'जीवन का संगीत' एक अत्यंत सूक्ष्म और सुंदर रूपक है। संगीत में स्वर होते हैं, लय होती है और एक संतुलन होता है। अगर कोई स्वर असंतुलित हो जाए, तो पूरी रचना प्रभावित हो जाती है। इसी प्रकार, हमारे जीवन में भी संतुलन आवश्यक है। यह संतुलन बाहरी परिस्थितियों से नहीं, भीतर की सजगता से आता है। जब हमारे विचार, भावनाएं और कर्म एक ही दिशा में प्रवाहित होते हैं, तो जीवन में एक स्वाभाविक लय उत्पन्न होती है। जब यह लय स्थापित हो जाती है, तो जीवन में एक सहज सुंदरता प्रकट होती है, एक ऐसी सुंदरता, जो किसी प्रयास का परिणाम नहीं, बल्कि एक आंतरिक सामंजस्य का प्रतिबिंब होती है।

हालांकि जीवन में असंतुलन भी अति महत्त्वपूर्ण है। जैसे संगीत में आरोह-अवरोह, विराम और तीव्रता उसे पूर्ण बनाते हैं, वैसे ही जीवन के उतार-चढ़ाव भी उसे गहराई देते हैं। दुख, संघर्ष और अनिश्चितता- ये सब भी उसी संगीत का हिस्सा हैं। इनसे बचने की नहीं, इन्हें समझने की आवश्यकता है। जब हम जीवन को इस दृष्टि से देखना प्रारंभ करते हैं, तो धीरे-धीरे हमारे भीतर एक नई संवेदनशीलता जन्म लेती है। हम अपने अनुभवों को केवल 'जीने' के बजाय 'महसूस' करने लगते हैं। हम हर क्षण में उपस्थित होने लगते हैं।

यही उपस्थिति हमें उस अदृश्य स्पंदन के और करीब ले जाती है, जो जीवन का मूल है। जीवन कोई बाहरी यात्रा नहीं है, जिसे हमें तय करना है। यह एक आंतरिक प्रक्रिया है, जिसे हमें अनुभव करना है। हम जितना अपने भीतर के स्पंदनों को समझते हैं, उतना ही जीवन स्पष्ट होता जाता है। और एक समय ऐसा आता है, जब हम यह अनुभव करते हैं कि जीवन को समझने की आवश्यकता ही नहीं है, उसे केवल महसूस करने की आवश्यकता है। जीवन कोई समस्या नहीं, जिसे हल किया जाए, यह एक संगीत है, जिसे सुना जाए, जिया जाए और पूरी सजगता के साथ रचा जाए। जब हम इस संगीत को सच में सुन लेते हैं, तब हमें यह एहसास होता है, कि हम केवल श्रोता नहीं, बल्कि स्वयं उस अनंत रचना का एक जीवंत स्वर हैं।

मार्श पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

- जोश इंगलिस संभालेंगे ऑस्ट्रेलिया की कमान

नई दिल्ली । टखने की चोट से जूझ रहे कार्यवाहक कप्तान मिशेल मार्श पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर हो गए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ उनकी उपलब्धता अनिश्चित है। ऐसे में जोश इंगलिस को पाकिस्तान दौरे पर टीम की कमान सौंपी गई है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, 'मिशेल मार्श टखने की चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। मार्श की

गैरमौजूदगी में विकेटकीपर जोश इंगलिस पाकिस्तान में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगे। मार्श, जो लखनऊ सुपर जायंट्स के आईपीएल सीजन का आखिरी मैच नहीं खेल पाए थे, अगली सूचना तक आगे की जांच और इलाज के लिए पर्थ में ही रहेंगे। बांग्लादेश के व्हाइट-बॉल दौरे के लिए उनकी उपलब्धता को लेकर उचित समय पर फैसला लिया जाएगा।' मिशेल मार्श इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा रहे। चोट के कारण वह शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम के आखिरी मैच में नहीं खेल सके थे।

भारतीय तीरंदाजी के 'अग्रदूत' श्याम लाल मीणा का निधन

सियोल ओलंपिक में लिया था हिस्सा

नई दिल्ली । देश में तीरंदाजी के अग्रदूत माने जाने वाले श्याम लाल मीणा का निधन हो गया है। उनका निधन भारतीय तीरंदाजी के लिए बेहद निराशाजनक है। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। रविवार की रात को 61 वर्ष की अवस्था में इस दुनिया को अलविदा कहा। 1988 सियोल ओलंपिक में भारत की पहली ओलंपिक तीरंदाजी टीम के सदस्य रहे श्याम लाल मीणा पिछले कुछ वर्षों से लिवर से जुड़ी दिक्कतों से जूझ रहे थे। उनका निधन भारतीय तीरंदाजी के इतिहास के एक बेहद अहम हिस्से के समाप्ति की तरह है। 4 मार्च, 1965 को राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के केवड़िया गांव में जन्मे

मीणा ने दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तीरंदाजी के वैश्विक मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया। आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि वाले परिवार में जन्मे मीणा ने एक पारंपरिक बांस के धनुष से अपने सफर की शुरुआत की थी। उन्होंने सरकार की स्पेशल एरिया गेम्स योजना के तहत मदद पाने से पहले सिर्फ अपने दृढ़ संकल्प के दम पर अपनी प्रतिभा को निखारा।
मीणा ने भारतीय तीरंदाजी की बड़ी कामयाबी में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने लिम्बा राम और रजत हलधर के साथ मिलकर कोलकाता में 1987 की एशियन तीरंदाजी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। इस मेडल को भारतीय तीरंदाजी की पहली बड़ी अंतरराष्ट्रीय कामयाबी माना जाता है। इस सफलता ने ही भारतीय टीम को 1988 के सियोल ओलंपिक्स के लिए क्वालिफिकेशन दिलवाया था। यह ओलंपिक में तीरंदाजी में देश की पहली मौजूदगी थी।

साई सुदर्शन जैसा किसी के साथ ना हो

नई दिल्ली । आईपीएल 2026 के पहले क्वालिफायर मैच में गुजरात के ओपनर बैटर साई सुदर्शन ने शानदार शुरुआत की थी, लेकिन वो इस मैच में बेहद दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से आउट हो गए। साई जिस तरह से आउट हुए वैसा किसी के साथ ना हो। साई के इस तरह से आउट होने के बाद उनकी टीम पूरी तरह से बैकफुट पर आ गई। हालांकि वो 14 रन पर आउट होने के बाद भी ऑरेंज कैप की रेस में पहले नंबर पर बने हुए हैं।

साई सुदर्शन हुए हिट विकेट

साई सुदर्शन आरसीबी के खिलाफ हिट विकेट आउट हुए। ये वाकया तब हुआ जब आरसीबी के लिए तीसरा ओवर जैकब डफी फेंक रहे थे। डफी के इस ओवर की तीसरी गेंद पर साई सुदर्शन ने शानदार शॉट लगाया और गेंद बाउंड्री के पार भी चली गई, लेकिन वो आउट हुए। दरअसल हुआ ये कि साई शॉट लगाने के बाद जब पीछे की तरफ मुड़े और रन लेने के लिए आगे बढ़े तभी बैट उनके हाथ से छूट गया और वो उछलकर नीचे गिरने के बाद स्टंप से जाकर टकरा दिया। यानी चौका भी नहीं मिला और वो फोकट में आउट भी हो गए।

गेंद गई चौका, लेकिन हो गए आउट

साई सुदर्शन ने बनाए हैं 652 रन

साई सुदर्शन इस लीग में अब तक कमाल की बैटिंग कर रहे हैं और इस मैच में भी लय में थे। 9 गेंदों पर उन्होंने 3 चौकों की मदद से 14 रन बना लिए थे, लेकिन वो आउट हो गए। साई ने इस सीजन में अब तक खेले 15 मैचों में 652 रन बना चुके हैं। साई ने इस मैचों में 46.57 की औसत से रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट इन मैचों में 157.87 का रहा है। साई ने इन मैचों में अब तक यानी 65 चौके और 29 छक्के भी लगाए हैं।

अर्शदीप ने अपने इंस्टाग्राम से हटाए 200 से अधिक पोस्ट

कोहली संग बनाई रील भी गायब

नई दिल्ली । भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अचानक अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'इंस्टाग्राम' पर 200 से अधिक पोस्ट और रील्स को हटा दिया है। इसके बाद उनकी प्रोफाइनल पर सिर्फ 44 पोस्ट ही रह गए हैं, जिनमें से ज्यादातर विज्ञापन और पेड पार्टनरशिप से जुड़े हुए हैं। अर्शदीप के इस कदम के बाद उनके इंस्टाग्राम से कई वायरल रील्स रातों-रात गायब हो गई हैं, जिसमें भारत की चैंपियंस ट्रॉफी 2025 सेलिब्रेशन से विराट कोहली के साथ उनकी शेयर की गई रील भी शामिल है। ज्यादातर बचे हुए अपलोड परिवार, निजी उपलब्धि, विज्ञापन और कुछ चुने हुए सहयोगात्मक कंटेंट के बारे में हैं। अर्शदीप ने पंजाब किंग्स से जुड़े सभी पोस्ट को भी अपने इंस्टाग्राम से हटा दिया है। ऐसी अफवाहों ने भी जोर पकड़ा था कि पंजाब किंग्स और अर्शदीप के बीच में सबकुछ ठीक नहीं है। हालांकि, अर्शदीप ने जो ताजा पोस्ट शेयर किया है, वह पंजाब किंग्स टीम की एक फोटो ही है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'सब्र, शुकर। पंजाब।' इस ऑनलाइन गतिविधि से इस बात के कयास तेज हो गए हैं कि क्या 27 साल का यह खिलाड़ी खुद को रीब्रांड करने की कोशिश कर रहा है? क्या वह हाल के विवादों से खुद को दूर कर रहे हैं, या मैदान के अंदर और बाहर खराब सीजन के बाद बस शोर से दूर रहना चाहते हैं? अर्शदीप का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2026 संस्करण में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। 14 मुकाबलों में वह पंजाब किंग्स की तरफ से खेलते हुए सिर्फ 14 विकेट ही निकाल सके। अर्शदीप टूर्नामेंट के दौरान रनों पर लगाम लगाने में भी नाकाम रहे और खराब फॉर्म से जूझते नजर आए।

गुजरात टाइटंस को 92 रनों से हरा फाइनल में पहुंची आरसीबी

पाटीदार बने हीरो

कप्तान रजत ने 33 गेंद पर बनाए नाबाद 93 रन

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के पहले क्वालिफायर मुकाबले में मंगलवार (26 मई) को धर्मशाला स्थित हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को 92 रनों से हराकर फाइनल में जगह बनाई। गुजरात

टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 254 रन बनाए।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए कप्तान रजत पाटीदार ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। वह शतक नहीं बना पाए, लेकिन अपनी टीम को प्लेऑफ में सबसे बड़े स्कोर तक पहुंचा दिया। 255 रनों के लक्ष्य के जवाब में गुजरात टाइटंस की टीम ने पहले ही घुटने टेक दिए। भला हो राहुल तेवतिया की अर्धशतकीय पारी की। गुजरात टाइटंस 100 रन के अंदर सिमटी दिख रही थी, लेकिन वह 19.3 ओवर में 162 रन पर आउट हुई। गुजरात टाइटंस एलिमिनेटर के विजेता से क्वालिफायर-2 में 29 मई को भिड़ेगी। एलिमिनेटर बुधवार (27 मई) को सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला जाएगा।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए रजत पाटीदार ने 33 गेंद पर नाबाद 93 रन बनाए। क्रुणाल पंड्या और विराट कोहली ने 43-43 रन बनाए। देवदत्त पडिक्कल ने 30 और वेंकटेश अय्यर ने 19 रन बनाए। जितेश शर्मा 15 रन बनाकर नाबाद रहे। टिम डेविड 4 रन बनाकर आउट हुए। गुजरात टाइटंस के लिए कगिसो रबाडा और जेसन होल्डर ने 2-2 विकेट लिए।

प्रसिद्ध कृष्णा ने 1 विकेट लिए। गुजरात टाइटंस के लिए राहुल तेवतिया ने 43 गेंद पर 68, जोस बटलर ने 11 गेंद पर 29 और साई सुदर्शन ने 9 गेंद पर 14 रन बनाए। शुभमन गिल 2, निशांत सिंधु 5, वाशिंगटन सुंदर 8, जेसन होल्डर 0, राशिद खान 8, कगिसो रबाडा 9 और मोहम्मद सिराज 5 रन बनाकर आउट हुए। प्रसिद्ध कृष्णा 6 रन बनाकर नाबाद रहे। आरसीबी के लिए जैकब डफी ने 3 विकेट लिए। भुवनेश्वर कुमार, रसिख सलाम डार और क्रुणाल पंड्या ने 2-2 विकेट लिए। जोश हेजलवुड ने 1 विकेट लिए।

ट्रेविस हेड की पत्नी ने बताया

कोहली से झगड़े के बाद परिवार की हुई ट्रोलिंग

एडिलेड । ट्रेविस हेड और विराट कोहली के बीच पिछले हफ्ते आईपीएल 2026 के मैच के दौरान मैदान पर तकरार देखने को मिली थी, जिसके बाद ट्रेविस हेड की पत्नी जेसिका ने बताया है कि उनके परिवार और दोस्तों को आपत्तिजनक टिप्पणियों का सामना करना पड़ा है। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) जब लक्ष्य का पीछा करने उतरी, तो कोहली और हेड के बीच कुछ कहा-सुनी हुई। जब सनराइजर्स हैदराबाद ने 55 रनों से जीत दर्ज कर ली, तो हेड ने मैच के बाद कोहली से हाथ मिलाने की कोशिश की, लेकिन कोहली बिना कोई जवाब दिए उनके पास से गुजर गए और हाथ मिलाने से मना कर दिया, जबकि उन्होंने एसआरएच के दूसरे खिलाड़ियों से सामान्य अंदाज में हाथ मिलाया। यह घटना सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लोगों की तीखी प्रतिक्रियाएं आने लगीं। जेसिका ने सोमवार को 'द एडवरटाइजर' से कहा, 'ऐसा लग रहा है जैसे वर्ल्ड कप के बाद जो हमें जिस तरह आपत्तिजनक टिप्पणियों का सामना करना पड़ा था, वही फिर से हो रहा है। जब मैं सुबह उठी तो देखा कि मेरे सोशल मीडिया पर अभद्र शब्दों की बाढ़ आई हुई है। हम तो ठीक हैं, लेकिन वे मेरे दोस्तों और परिवार पर हमला कर रहे हैं।'

त्रिशा जॉली: पिता ने पहचानी प्रतिभा

बैडमिंटन की खातिर छोड़ा शहर

- कॉमनवेल्थ गेम्स में देश को दिलाया पदक

नई दिल्ली । बड़ी पुरानी कहावत है, 'जहां चाह, वहां राह।' बैडमिंटन की दुनिया में सफलता के नए आयाम छूने की ऐसी ही चाहत भारत की स्टार खिलाड़ी त्रिशा जॉली की भी थी। बैडमिंटन के खेल से इस कदर लगाव हुआ कि ट्रेनिंग के लिए अपना शहर छोड़कर हैदराबाद शिफ्ट हो गईं। कड़ी मेहनत, लगन और दमदार प्रदर्शन के बूते त्रिशा आज इस खेल में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। त्रिशा का जन्म 27 मई, 2003 को केरल में हुआ। बचपन से ही त्रिशा को बैडमिंटन में खास रुचि थी। उनके पिता स्कूल में शारीरिक शिक्षक (पीटी टीचर) थे। त्रिशा की प्रतिभा और इस खेल के प्रति उनके लगाव को पिता ने ही पहचाना। पिता की देखरेख में त्रिशा इस खेल की बारीकियां सीखने लगीं। हालांकि, केरल में बैडमिंटन के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। इसी वजह से त्रिशा ने हैदराबाद शिफ्ट होने का फैसला किया और यहां आकर उन्होंने गोपीचंद एकेडमी में दाखिला लिया। इसके बाद त्रिशा इस खेल में रमती गईं और उन्होंने धीरे-धीरे नाम कमाना शुरू कर दिया।

खेल में विकास के बावजूद

देश में हर एथलीट को मिलने वाले सम्मान में अंतर: हरमिलन बैंस

चंडीगढ़ । एथलीट हरमिलन बैंस का मानना ??है कि भारतीय खेलों में तेजी से सुधार हो रहा है, लेकिन उन्होंने यह भी बताया कि देश में बढ़ते सपोर्ट के बावजूद, सभी एथलीटों के लिए मौके और इनाम एक जैसे नहीं हैं। बैंस ने कहा कि खेल करियर के मौके तो दे सकते हैं, लेकिन सिस्टम सभी एथलीटों के साथ एक जैसा बर्ताव नहीं करता। एशियन गेम्स में एक स्वर्ण और दो रजत पदक जीतने वाली भारतीय मिडिल-डिस्टेंस रनर हरमिलन बैंस ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'कुछ एथलीट सफल हो जाते हैं, जबकि दूसरे अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद उस स्तर की नौकरी नहीं ले पाते। अगर हम आज के पदक विजेताओं की तुलना पिछली पीढ़ियों के एथलीटों से करें, तो अब हर किसी के लिए स्थिति एक जैसी नहीं है।' हरमिलन ने कहा, 'पहले, बड़े इवेंट्स में पदक जीतने वाले एथलीटों को अक्सरल डीएसपी जैसे ऊंचे सरकारी पदों पर सीधी नियुक्ति मिल जाती थी। मौके आज भी हैं, लेकिन पहले के मुकाबले वे काफी कम हो गए हैं।'

हरमिलन ने टीम इवेंट्स में पहचान में अंतर की ओर इशारा किया। रोइंग पदक जीतने वालों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एथलीट निराश हो सकते हैं जब टीम के साथी, जो उतनी ही मेहनत करते हैं, उन्हें अलग-अलग इनाम राशि मिलती है।

एथलीट ने मॉडर्न स्पोर्ट्स में रिकवरी और न्यूट्रिशन की अहमियत पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया, 'प्रशिक्षण के बाद रिकवरी सबसे जरूरी हिस्सों में से एक है क्योंकि इससे यह तय होता है कि आप अपने अगले सेशन में कितना अच्छा परफॉर्म कर सकते हैं। इसलिए ऐसा खाना, जो शरीर को पोषण दे, बहुत जरूरी है।'

भारतीय खेल के विकास में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) जैसे संस्थानों की भूमिका को हरमिलन ने अहम माना।

उन्होंने कहा, 'भारत निश्चित रूप से आगे बढ़ रहा है क्योंकि अब कई अच्छे प्लेटफॉर्म बन रहे हैं। साई युवा एथलीटों के लिए एक बेहतरीन मंच है, लेकिन बच्चों को अभी भी नहीं पता कि उस स्तर तक कैसे पहुंचा जाए। इस कमी को पूरा करने के लिए छोटी एकेडमी बहुत जरूरी हैं।'

हरमिलन ने गुरिंदरवीर सिंह की हालिया सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि सीमित सुविधाओं के साथ उन्होंने जो हासिल किया है, वह शानदार है।

खेलों में अपने सफर पर हरमिलन ने कहा, 'मेरा सफर मेरे जन्म से भी पहले शुरू हो गया था। मेरे माता-पिता ने खेल से मेरा परिचय तब कराया जब मैं बहुत छोटी थी। मैं इसे लगभग दस सालों से प्रोफेशनली कर रही हूं, लेकिन अगर मैं शुरू से गिनूं, तो खेल पिछले लगभग 22 वर्ष से मेरी जिंदगी का हिस्सा रहा है। खेल ने मेरी जिंदगी को काफी बदल दिया है।'

अपने आगे के कार्यक्रम पर हरमिलन ने कहा, 'मेरा मुख्य फोकस आने वाले सीजन के लिए फिट रहने पर है। आगामी सभी टूर्नामेंट में हिस्सा लेना है। अगर मैं चोट से बच पाई, तो उम्मीद है कि सब ठीक हो जाएगा।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670